सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 271 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 14 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पहली बार मंत्री बने विधायक मोहन मरकाम, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

सीएम भूपेश बघेल सहित मंत्रियों व विधायकों ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोंडागांव विधायक मोहन मरकाम ने शुक्रवार को मंत्रीपद की शपथ ली। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचंदन ने उन्हें राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित सादे समारोह में शपथ दिलाई। मंत्री बनते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोहन मरकाम को बधाई। इस दौरान दरबार हॉल में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री कवासी लखमा सहित सरकार के कई मंत्री व विधायक मौजूद रहे।

बता दें मोहन मरकाम को एक दिन पहले ही प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर बस्तर के आदिवासी युवा नेता व सांसद दीपक बैज को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद अटकले लगाई जा रही थी कि मोहन मरकाम को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। इस बीच गुरुवार को शिक्षामंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम ने इस्तीफा दे दिया। शाम तक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोहन मरकाम को मंत्रीमंडल में शामिल किए जाने की पुष्टि भी कर दी। वहीं शुक्रवार को मोहन मरकाम ने मंत्रीपद की शपथ भी ले ली।

मंत्रिमंडल में भी हो सकता है फेरबदल

मोहन मरकाम के मंत्री बनने के बाद अब छत्तीसगढ़ के कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल हो सकता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को मीडिया से चर्चा के दौरान इसके संकेत दिए थे। मोहन मरकाम को शिक्षा के साथ कुछ अन्य विभाग भी दिया जा सकता है। वहीं कुछ अन्य मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जा रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सीएम भूपेश किस प्रकार विभागों का बंटवारा करते हैं यह आज-कल में स्पष्ट हो जाएगा।

ऐसा रहा शिक्षाकर्मी से मंत्री तक का सफर

मोहन मरकाम का जन्म एक किसान परिवार में कोंडागांव जिले के टेंडमुण्डा गांव में 15 सितंबर 1967 हुआ था। उनके पिता भीखराय मरकाम एक किसान थे। मरकाम ने शासकीय सेवा के रूप में शिक्षाकर्मी वर्ग 1 व शिक्षाकर्मी वर्ग 2 के रूप में भी काम किया। इसके अलावा उन्होंने कुछ दिनों तक भारतीय जीवन बीमा निगम में विकास अधिकारी और भारतीय स्टेट बैंक लाइफमें सीनियर एजेंन्सी मैनेजर के रूप में भी काम किया। लेकिन राजनीति में आने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी।

- 1990 में महेंद्र कर्मा की मौजूदगी में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ली थी।
- 1993, 1998, 2003 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी से टिकट की दावेदारी भी की। लेकिन टिकट नहीं मिली।
- 2008 में मरकाम को पहली बार कोंडागांव सीट से चुनावी मैदान में लता उसेंडी के सामने उतारा था। जिसमें उन्हें 2771 मतों से हार का सामना करना पड़ा था।
- 2013 के चुनाव में पार्टी ने उन्हें फिर चुनावी मैदान में उतारा। इस चुनाव में भी मोहन मरकाम को हार का सामना करना पड़ा था।
- 2018 विधानसभा चुनाव में पार्टी ने एक बार फिर मोहन मरकाम पर भरोसा दिखाया और इस बार उन्होंने भाजपा की लता उसेंडी को भारी मतों से हराया था।
- 2018 में जीत के बाद कांग्रेस ने भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया, और फिर मोहन मरकाम को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली।

यूपीएससी क्रेक करने टॉपर्स से मिलेगी टिप्स

21 जुलाई को टॉपर्स टॉक में रायपुर आ रहें यूपीएससी के टॉप रैंकर्स

रायपुर। यूपीएससी परीक्षा क्रेक करने का सपना देखने वाले छत्तीसगढ़ के परीक्षार्थियों के लिए 21 जुलाई का दिन विशेष होने वाला है। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों को इस दिन यूपीएससी की सिविल सर्विसेस परीक्षाओं के टॉपर्स से मिलने, बात करने का सुनहरा मौका मिलने वाला है।

21 जुलाई को यूपीएससी परीक्षा में पहले तीन स्थानों पर चयनित टॉपर्स रायपुर आ रहें है। यूपीएससी की 2022 सिविल सेवा परीक्षा की टॉपर इशिता किशोर के साथ सेकेण्ड टॉपर गरिमा लोहिया और नौवां स्थान प्राप्त करने वाली कनिका गोयल भी रायपुर आ रहीं हैं। 2022 की परीक्षा में 17वीं रैंक पाने वाले अविनाश कुमार, छत्तीसगढ से सर्वोच्च रैंक पाने वाले अभिषेक चतुर्वेदी और 2021 की परीक्षा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रखर चंद्राकर भी इन टॉपर्स के साथ रहेंगे।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने इस बारे में बताया कि जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए परीक्षार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 21 जुलाई को टॉपर्स टॉक आयोजित की जा रही है। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से होने वाली इस टॉपर्स टॉक में स्थानीय प्रतियोगियों को चयनित टॉपर्स से यूपीएससी क्रेक करने की टिप्स मिलेंगी। यूपीएससी क्रेक करने के लिए पढ़ने के तरीके, पढ़ने का सिलेबस, समय प्रबंधन, दैनिक दिनचर्या से लेकर मनोरंजन, खाने पीने से लेकर सभी विषयों पर टॉपर्स सुझाव देंगे।

सीएम बघेल ने लिया संज्ञान, पद्म विभूषण तीजन बाई के घर पहुंची मेडिकल टीम

तीजन बाई के खराब स्वास्थ्य की सूचना पर सीएम बघेल की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सोशल मीडिया पर मशहूर पंडवानी कलाकार पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई जी की तबियत खराब होने की खबर पर मुख्यमंत्री श्रीभूपेश बघेल ने तत्काल संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर दुर्ग जिला प्रशासन द्वारा तत्काल डाक्टरों की टीम तीजन बाई जी के ग्राम गनियारी स्थित निवास पर पहुंची और उनकी जांच की।

मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी जिला दुर्ग डॉ. जेपी मेश्राम ने बताया कि बीएमओ पाटन डॉ. आशीष शर्मा ने त्वरित कार्यवाही करते हुए चिकित्सा अधिकारी दल को निर्देशित किया। इसके बाद डॉक्टर भुवनेश्वर कठोतिया एवं नर्सिंग स्टाफ श्री गुलशन खलखो ने अतिशीघ्र उनके निवास गनियारी में पहुंचकर उनकी जांच की। डॉ कठोतिया ने स्वास्थ्य जांच करने के बाद एवं उनके सेक्टर 9 हॉस्पिटल से पूर्व से चल रहे ईलाज,दवाओं आदि की जानकारी ली एवं उचित परामर्श दिया। उनके परिवार जन द्वारा उन्हें वर्तमान में घर में ही स्वास्थ्य लाभ लेने निवेदन किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक तीजन बाई जी का पूर्व से कोरोनरी आर्टरी डिसीज, हाइपरटेंशन, डायबिटीज, स्ट्रोक विथ रेसीड्यूल परेसिस आदि का ईलाज चल रहा है। उनके सलाहकार चिकित्सक द्वारा सुझाई गई दवाईयां उनके द्वारा ली जा रही हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत को लीड, रोहित-यशस्वी ने 229 रन बनाए

डोमिनिका(एजेंसी)। भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला डोमिनिका के विंडसर पार्क मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले का दूसरा दिन भारतीय ओपनर्स के नाम रहा। कप्तान रोहित शर्मा और डेब्यू टेस्ट खेल रहे यशस्वी जायसवाल ने 229 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की। दोनों ओपनर्स ने अपने-अपने शतक भी पूरे किए। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब भारतीय टीम ने बिना विकेट गंवाए पहली पारी में लीड हासिल की।

भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। जब भारतीय टीम ने बिना विकेट गंवाए लीड हासिल की, यानी भारतीय ओपनर्स ने पहली पारी में अपोनेंट टीम के स्कोर से ज्यादा रन बनाए। रोहित-जायसवाल की ओपनिंग पार्टनरशिप से भारत ने बड़ी आसानी से वेस्टइंडीज पर पहली पारी में 162 रन की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। रोहित-जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड संजय बांगर और वीरेंद्र सहवाग (201 रन) ने 2002 में बनाया था।

रोहित-जायसवाल की जोड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफवेस्टइंडीज में सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप (159 रन) का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड वसीम जाफर और वीरेंद्र सहवाग के नाम दर्ज था। यशस्वी और रोहित ने 229 रन जोड़े। रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने। उनसे पहले विराट कोहली ने बतौर कप्तान वेस्टइंडीज के खिलाफसेंचुरी जमाई थी। 1983 में कपिल देव ने सबसे पहले यह कारनामा किया था।

कोहली के 8,500 टेस्ट रन पूरे, सहवाग को पीछे छोड़ा

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 8,500 रन पूरे किए। कोहली ने वीरेंद्र सहवाग (8,503) को पीछे छोड़ा। अब कोहली सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में वीवीएस लक्ष्मण के बाद पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

सरगुजा के बाद बस्तर भी फतह

सीएम भूपेश के चक्रव्यूह से ध्वस्त हुए भाजपा के मंसूबे

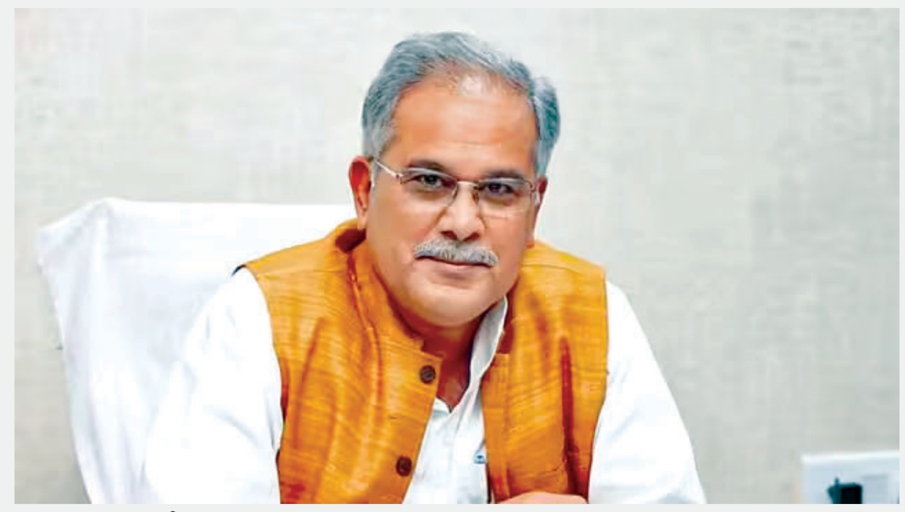

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। मोहन मरकाम को जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से ऐन चुनाव से पहले हटाया गया तो भाजपा को लगा था कि उसे बस्तर को भुनाने का एक और अवसर मिल गया है। लेकिन अगले ही दिन जो खबर आई, उससे भाजपाई कसमसाकर रह गए। खबर यह थी कि सत्ता के साथ पटरी नहीं बिठाने के आरोप में प्रदेश अध्यक्ष का पद खोने वाले मोहन मरकाम को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है। भाजपा को यह खबर इसलिए भी करंट लगाने वाली थी क्योंकि मरकाम जिस कोंडागांव क्षेत्र से विधायक हैं, वह बस्तर संभाग अंतर्गत आता है, जहां उसके राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेता लगातार और लम्बे समय से सक्रिय है।

बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। मरकाम की जगह जिस युवा नेता दीपक बैज को पार्टी की कमान सौंपी गई, वह भी बस्तर के ही चित्रकोट क्षेत्र से आते हैं। इन दो बदलावों के जरिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने न केवल बस्तर पर कांग्रेस की पकड़ मजबूत कर ली, बल्कि भाजपा को भी बुरी तरह पटखनी दे डाली। इससे पहले सीएम भूपेश ने सरगुजा में भी बड़ा खेला किया था। 14 विधानसभा सीटों वाले सरगुजा संभाग में इस बार कांग्रेस को खासे नुकसान की आशंका थी, क्योंकि यहां ढाई-ढाई साल वाले सीएम फार्मूला से लेकर टीएस बाबा के पंचायतमंत्री पद से इस्तीफा देने और इसी तरह के कई और मसले थे। आलाकमान के साथ बैठक के बीच इन मसलों का जो हल निकाला गया, वह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का भविष्य गढ़ने के लिए काफी था। नाराज चल रहे टीएस बाबा को उपमुख्यमंत्री का पद परोसकर संतुष्ट किया गया। यहां कुछ और कमियां दिख रही थी, जिसे दुरूस्त करने के लिए भाजपा से उपेक्षित चल रहे कद्दावर नेता नंदकुमार साय को कांग्रेस से जोड़कर पूरा कर लिया गया। इस तरह बस्तर की 12 और सरगुजा की 14 सीटों पर बढ़त बनाकर सीएम भूपेश बघेल ने भाजपाई मंसूबों को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया।

आदिवासी वोटों पर फोकस

सीएम भूपेश पिछड़ा वर्ग से आते हैं। इस वर्ग पर उनकी जबरदस्त पकड़ भी है। इसके अलावा उन्होंने सत्ता में आने के बाद किसानों को केन्द्र में रखकर काम किया, नतीजा यह है कि किसानों के बीच उनकी अच्छी पकड़ है। पार्टी के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण आदिवासी वोट थे, जो छत्तीसगढ़ की राजनीति में सदैव निर्णायक साबित होते हैं। हालांकि 2018 के चुनाव में आदिवासियों का भरपूर समर्थन कांग्रेस को मिला था, फिर भी सीएम भूपेश बघेल कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे। चुनाव से पहले बदलते समीकरणों को कांग्रेस के पक्ष में करने के लिए जरूरी था कि ऐसा व्यूह रचा जाए, जिससे विरोधी चारों खाने चित्त हो। सरगुजा और बस्तर जैसे आदिवासी इलाकों में सीएम का यह व्यूह काम कर दिया।

टकराव नहीं, अब करेंगे मिलकर काम

टीएस सिंहदेव भले ही अपनी नाराजगी छिपाते आए, किन्तु सीएम के साथ उनके टकराव की खबरें लगातार सुर्खियां बनतीं रहीं। जब टीएस बाबा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया तो उनका पहला शब्द था कि अब सब मिल-जुलकर काम करेंगे और कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाएंगे। कमोबेश ऐसी ही स्थिति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के साथ भी थी। उन पर भी सत्ता के साथ टकराव की खबरें आई। सत्ता और राष्ट्रीय संगठन को विश्वास में लिए बिना, की गई उनकी कई नियुक्तियों को जब प्रदेश प्रभारी कु. शैलजा ने रद्द करवाया तो यह टकराव और बढ़ गया। इसी के बाद यह कयास लगाए जाने लगे थे कि अब मरकाम संगठन में ज्यादा दिन के मेहमान नहीं है। लेकिन मरकाम की इस तरह विदाई से बस्तर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के बिफरने का खतरा था। ऐसे में सीएम भूपेश बघेल ने जो चाल चली, उसने विरोधी दल को बुरी तरह पस्त कर दिया।

आधा संगठन युवाओं का

कांग्रेस के रायपुर में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में यह तय किया गया था कि संगठन में युवाओं को 50 फीसद भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस पर पहला अमल भी छत्तीसगढ़ में ही हुआ है। बस्तर के सांसद दीपक बैज को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान सौंपकर युवाओं की भागीदारी के द्वार खोल दिए गए हैं। दो बार विधायक और वर्तमान में सांसद दीपक बैज सिर्फ 42 वर्ष के हैं। कांग्रेस के भीतर यह एक अच्छी पहल है कि युवाओं के जरिए दूसरी और तीसरी लाइन तैयार करने से पार्टी का भविष्य बेहतर होगा। स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आशान्वित हैं कि दीपक बैज के जरिए जो संदेश निकलेगा, उससे आगामी चुनावों पर सकारात्मक असर होगा।

चुनौतियां खत्म, मजबूत हुए भूपेश

हाल के दिनों में लिए गए कुछ फैसलों और बदलावों के बाद अब सीएम भूपेश बघेल को आंतरिक चुनौतियों से निजात मिलेगी। इससे जाहिर तौर पर वे मजबूत भी होंगे और सर्वमान्य भी। टीएस सिंहदेव के रूप में उनकी पहली चुनौती खत्म हो चुकी है। अब वही सिंहदेव सुर में सुर काम कर रहे हैं। वहीं दो बार प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभालने वाले मोहन मरकाम के जरिए जो चैलेंज मिला, उसका भी अब शमन हो गया है। मरकाम भी अब भूपेश की केबिनेट के हिस्सेदार है। राजनीति की बिसात में सीएम भूपेश ने यह साबित कर दिया कि वे राजनीति के चाणक्य वासुदेव चंद्राकर के शिष्य हैं और विरोधियों से निपटना और निपटाना जानते हैं।

बरगलाने की राजनीति के पांव नहीं होते

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

कुछ लोगों की फितरत होती है दूसरों के परिवार में आग लगाने की। उनके निशाने पर परिवार की बहू-बेटियां होती हैं जो किसी न किसी वजह से असंतुष्ट चल रही हैं। वो असंतोष को हवा देते हैं, सब्जबाग दिखाते हैं और अपनी हवस पूरी कर निकल लेते हैं। इसी के चलते विवाहेत्तर संबंध बनते हैं और कभी-कभी बात जघन्य अपराध तक पहुंच जाती है। परिवार टूट जाते हैं। कभी पति दूसरा घर बसा लेता है तो कभी पत्नियां पति-बच्चों को छोड़कर चली जाती हैं। भारतीय समाज ऐसे लोगों को पसंद तो नहीं करता पर ऐसे लोगों को समाज से अलग करने की कोई रणनीति भी उसके पास नहीं है। केवल समझदार लोग ही ऐसे लोगों को अपने परिवार से दूर रख पाते हैं। कुछ ऐसा ही खेल चलता है राजनीति में। तमाम विसंगतियों, अभावों और दिक्कतों के बीच एक सरकार काम कर रही होती है। व्यवस्था ठीक करने की कोशिश कर रही होती है। स्वस्थ विपक्ष भ्रष्टाचार और गलत परम्पराओं का विरोध करता है, चूकों और गलतियों की तरफ सत्ता का ध्यान आकर्षित करता है। सत्ता और विपक्ष दोनों का उद्देश्य जनता का भला करना होता है। पर ऐसी बातें केवल सैद्धांतिक तौर पर ही अच्छी लगती हैं। हकीकत में तो विपक्ष उस कुटिल व्यभिचारी की तरह होता है जो लगातार असंतोष को हवा देता है, जायज-नाजायज हर बात को उछालता है। वह खूब जानता है कि जो सब्जबाग वह दिखा रहा है, उसे वह तो क्या, उसके फरिश्ते भी पूरा नहीं कर सकते। सुकमा के कुम्हारास स्थित शबरी ऑडिटोरियम परिसर में 54 अलग-अलग संगठन से जुड़े संविदा कर्मचारियों की संयुक्त हड़ताल चल रही है। नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल में भी प्रदेश के संविदा कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। इनकी एक सूत्रीय मांग है नियमितीकरण की। अब प्रमुख विपक्षी दल के नेता उनसे जा मिले हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि उनकी सरकार आयी तो सबसे पहले संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसे पार्टी अपने घोषणापत्र में भी शामिल करेगी। कुछ लोग झांसे में आ भी जाएंगे। उन्हें तो इस बात की खबर तक नहीं होगी कि इस पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व सेना तक में संविदा नियुक्तियां कर रहा है। यह उन्हीं की पार्टी थी जो हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का वायदा कर सत्ता में आई थी। उन्हें लगा था कि प्रो-इंडस्ट्री सरकार होगी तो धड़ाधड़ उद्योग लगेंगे और नौकरियां पैदा होंगी। पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। उलटे सरकार बाप-दादा की छोड़ी हुई जायदाद (सार्वजनिक क्षेत्र) को बेच कर फुटानी मारने लगी। देश की प्राकृतिक संपदा को बेचने के लिए प्रकृति और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा से जुड़े कानूनों को बदलने पर आमादा हो गयी। नौकरी, वह भी सरकारी क्षेत्र में पैदा करना एक टेढ़ा काम है। कहीं ऐसा न हो कि झांसे में आकर जनता घर छोड़ दे और प्रेमी धोखा दे जाए।

संपादकीय

बाढ़ से सबक

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एक बड़े इलाके में जलभराव या बाढ़ के हालात दुखद ही नहीं, बल्कि चिंताजनक भी हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश के चलते मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अभी दिल्ली में पानी का जैसा मंजर है, वैसा 1978 के बाद नजर नहीं आया था। दिल्ली में यमुना का जल-स्तर बुधवार देर रात केंद्रीय जल आयोग के अनुमान 207.99 मीटर से अधिक होकर 208.08 मीटर के निशान को पार कर गया, जिससे अधिकारी अत्यधिक सतर्क हो गए। एहतियात के तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है और जिन इलाकों की ओर पानी बढ़ने की आशंका है, वहां से भी लोगों को हटाने की कवायद चल रही है। मंगलवार को लगा था कि यमुना में जल-स्तर घट जाएगा, पर बुधवार को यह बढ़ने लगा, इससे उचित ही चिंता की लहर दौड़ गई। पंजाब और हरियाणा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में भी राहत कार्य की जरूरत पड़ गई है। सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूलों व अन्य संस्थानों को बंद करना पड़ा है। कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। दिल्ली में निचले इलाकों में बसे लोगों ने कभी इतना पानी नहीं देखा था और इसीलिए वे अपना घर छोड़ने को तैयार नहीं थे, मगर अनेक इलाकों में काफी समझाने-बुझाने के बाद लोग सुरक्षित स्थान तक पहुंचे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि लोगों को प्रशासन के निर्देशों के अनुरूप ही चलना चाहिए और किसी भी तरह का खतरा नहीं उठाना चाहिए। इतने पानी के बावजूद अगर दिल्ली अपने जान-माल की सुरक्षा कर पाती है, तो यह एक बड़ी कामयाबी होगी। प्रशासन को लगता है कि जल-स्तर आने वाले समय में बढ़ सकता है, ऐसे में, लोगों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। यह अफसोस की ही बात है कि ऐसे समय में भी अनेक नेता राजनीति का मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे। क्या जलभराव या ऐसी बाढ़ के लिए किसी एक राजनीतिक दल को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? अभी तो इस प्रश्न पर विचार का अवकाश भी नहीं है। अभी तो शासन-प्रशासन और जन-प्रतिनिधियों का पूरा ध्यान बचाव कार्यों पर होना चाहिए। लोगों को भी राजनीति पर ध्यान देने से बचना चाहिए। मौसम विभाग और सरकार के अनुमानों पर निगाह रखनी चाहिए। भारी बारिश का असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, देश के एक बड़े इलाके में यातायात पर असर पड़ा है। रेल यातायात भी इससे प्रभावित हुआ है। गौर करने की बात है कि 7 जुलाई से 15 जुलाई के बीच 300 से अधिक मेल व एक्सप्रेस ट्रेनें और 406 पैसेंजर ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। कुल मिलाकर, देश भर में लगभग 1,100 रेलगाड़ियों का परिचालन प्रभावित हुआ है। दरअसल, उत्तर व पश्चिमी भारत के एक बड़े इलाके में शनिवार से ही बारिश-पानी का क्रम बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भारी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। ऐसी बारिश और बाढ़ से हमें व्यापक रूप से सबक लेना चाहिए। क्या हम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ऐसी त्रासद स्थिति से बचा सकते हैं? क्या अतिरिक्त जल की निकासी का कोई कारगर तंत्र विकसित हो सकता है? अगर हो सकता है, तो अभी तक क्यों विकसित नहीं हुआ? संदेश स्पष्ट है कि जल-प्रबंधन पर हमें ईमानदारी से काम करना होगा।

> “ प्रशासन को लगता है कि जल-स्तर आने वाले समय में बढ़ सकता है, ऐसे में, लोगों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। यह अफसोस की ही बात है कि ऐसे समय में भी अनेक नेता राजनीति का मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे। क्या जलभराव या ऐसी बाढ़ के लिए किसी एक राजनीतिक दल को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? अभी तो इस प्रश्न पर विचार का अवकाश भी नहीं है। अभी तो शासन-प्रशासन और जन-प्रतिनिधियों का पूरा ध्यान बचाव कार्यों पर होना चाहिए।

मणिपुर पर मोदी मौन क्यों ?

हम अभी तक नहीं समझ पाए कि देश के प्रधानमंत्री देश के ही एक हिस्से में दो महीने से ज्यादा समय से चल रही भयानक हिंसा के बाद भी अभी तक उस पर क्यों नहीं बोले? क्या यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा और दुखद आश्चर्य नहीं है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और गोदी मीडिया रोज पूछते हैं कि सत्तर साल में क्या हुआ? सत्तर साल में कम से कम यह तो नहीं हुआ कि देश का एक राज्य इतने लंबे समय तक हिंसा की आग में जलता रहे और प्रधानमंत्री उस राज्य का पहला अक्षर म भी नहीं बोल पाएं। क्या कारण है? कोई बता सकता है? क्या मणिपुर में गुजरात पार्ट- 2 किया जा रहा है? नरसंहार तो उसी तरह हो रहा है। फर्क बस इतना है कि उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात जाकर उस समय के मुख्यमंत्री से कहा था कि राजधर्म निभाओ! यह अलग बात है कि उसके बाद भी राजधर्म नहीं निभाया गया। और हिंसा चलती रही। मगर यहां मणिपुर में तो कहा तक नहीं गया। गुजरात आज भी मोदी जी का पीछा कर रहा है। वे विदेश में जहां भी जाते हैं गुजरात पर बनी बीबीसी की फिल्म वहीं दिखाई जाती है। अमेरिका में दिखाई गई और आस्ट्रेलिया की संसद में दिखाई गई। भारत में मोदी सरकार ने उसे बेन कर दिया। बीबीसी के दफ्तर पर छापे मारे। मगर उससे फिल्म रुकी नहीं बल्कि और ज्यादा देखी और दिखाई जाने लगी। क्या मणिपुर में फिल्म नहीं बनेगी? और उसमें यह सवाल नहीं उठेगा कि भारत के प्रधानमंत्री आखिर मणिपुर पर क्यों नहीं बोले? भाजपा के नेताओं और गोदी मीडिया ने तो दावा किया था कि मोदी ने रूस युक्रेन युद्ध रुकवा दिया था। तो अगर दो देशों के बीच युद्ध रुकवा सकते हैं तो मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसा क्यों नहीं रुकवा रहे? वहां के बारे में तो जितना लिखा जाए कम है! सेना के हाथों से भीड़ आरोपियों को छुड़ा कर ले जा रही है। थानों से हथियार लूटे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे उन्हें मारा जा रहा है। पूरा राज्य दो समुदायों में विभाजित हो गया है। अफसर, पुलिस वाले, नेता कोई अगर सुरक्षित है तो केवल अपने समुदाय के बीच। उसके बाहर निकले तो खतरा है। पूरा गृह युद्ध हो रहा है। अमेरिका तक को कहना पड़ा कि क्या हम मदद करें? इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या होगा। 1971 में भी अमेरिका ने कहा था। जब भारत के किसी राज्य का मामला नहीं था भारत में आ रहे पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थियों की समस्या थी। मगर इन्दिरा गांधी ने क्या जवाब दिया था?

उन्होंने अमेरिका के किसी भारत स्थित राजदूत को नहीं सीधे अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन से कहा था कि भारत से कुछ कहने की जरूरत नहीं। कहना है तो सीधे पाकिस्तान से कहिए कि वे पूर्वी बंगाल में अत्याचार बंद करे। ताकि वहां से शरणार्थी भारत न आएं। और अगर उनसे नहीं कह सकते हैं तो हम कार्रवाई करेंगे और शरणार्थियों को वापस भेजने की व्यवस्था करेंगे। और वही इन्दिरा गांधी ने किया। बांग्ला देश को आजाद करवाया और शरणार्थियों को वापस भेजा। उस समय लाखों शरणार्थी भारत आ गया था और देश के लिए एक बड़ी समस्या बन गई थी। फिलहाल तो मणिपुरी अपने देश में शरणार्थी हुए हैं मगर फिर भी अमेरिका के भारत स्थित राजदूत एरिक गार्सेटी ने टिप्पणी कर दी। कांग्रेस ने कहा कि सत्तर साल में यह कभी नहीं हुआ। किसी विदेशी राजदूत की हिम्मत भारत के आन्तरिक मामले में दखल देने की नहीं हुई। आज हमें शौक तो यह है कि दुनिया हमें विश्व गुरु कहें। मगर अपने ही देश में हम जिस तरह हिंसा, नफरत, विभाजन, असहिष्णुता बढ़ा रहे है उसके बाद क्या हम दुनिया से कुछ कहने लायक बचते हैं? अमेरिका के राजदूत ने यहां दिल्ली में कहा। वहां अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जिनसे मोदी जी बराक बराक कहकर बात करते हुए बहुत दोस्ती का दावा करते थे।

> “ ऑनलाइन गैंबलिंग बेशक कई 'कर सुरक्षित' देशों में मान्य है, लेकिन ज्यादातर राष्ट्र इसके पक्षधर नहीं हैं। वे सभी देश अपनी-अपनी तरह से इसे नियमन के दायरे में लाना चाहते हैं। इसीलिए दुनिया भर में ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने के प्रयास हो रहे हैं।

जरूरी था ऑनलाइन खेलों पर अंकुश

पवन दुग्गल, साइबर मामलों के कानूनी विशेषज्ञ

ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लगाने का सरकार का फैसला प्रत्याशित है, लेकिन 28 फीसदी की दर अप्रत्याशित है। काफी दिनों से यह प्रयास हो रहा था कि ऑनलाइन गेमिंग के पूरे ढांचे को नियंत्रित किया जाए। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसके दुरुपयोग की आवाजें मुखरता से आ रही थीं। इसी कारण, विगत 6 अप्रैल को सूचना-प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधन किया गया, जिसके तहत ऑनलाइन गेमिंग की सुविधा देने वाले सर्विस प्रोवाइडरों को मध्यवर्ती संस्थान बना दिया गया और उनके लिए कई तरह के प्रावधान तय किए गए। यह सरकार का पहला कदम था। अब इसे जीएसटी के दायरे में लाकर उसने दूसरा कदम बढ़ाया है। चूंकि ऑनलाइन गेम से लोग बेहिसाब पैसे कमाने लगे थे और देश खाली हाथ था, इसलिए इस पर जीएसटी लगाने का निर्णय लिया गया है।

सवाल है कि इस फैसले से तकरीबन 1.5 अरब डॉलर का यह कारोबार कितना प्रभावित होगा? यह उम्मीद तो की जा रही थी कि ऑनलाइन गेमिंग को जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा, लेकिन इतना ज्यादा टैक्स क्या यह क्षेत्र आसानी से स्वीकार कर लेगा? इसके क्या नुकसान हो सकते हैं? यह बात तय है कि जिस गति से यह कारोबार बढ़ रहा है, उस पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आंकड़ों की मानें, तो अगर इसके साथ कोई छेड़छाड़ न होती, तो 2027 तक यह उद्योग 25,000 करोड़ रुपये तक की कमाई करता। कहा यह भी जा रहा है कि जिस 2.6 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सपना यह उद्योग देख रहा था, जीएसटी लगने के बाद उसमें कमी आ सकती है। संकेत साफ है, सरकार का यह फैसला ऑनलाइन गेमिंग की तरफ से लोगों को निरुत्साहित कर सकता है। एक नुकसान और भी है। अब टैक्स से बचने के लिए चोर दरवाजे ढूंढ़े जा सकते हैं। इससे ऐसे कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की आवक बढ़ सकती है, जो उपभोक्ताओं को गैर-कानूनी ऑनलाइन गेम खेलने की ओर प्रोत्साहित करेंगे, जिनसे उनकी निजता, उनके डाटा आदि में सेंध लग सकती है।

हालांकि, सरकार भी संतुलन साधने के प्रयास कर रही है। देखा जाए, तो अब तक ऑनलाइन गेमिंग का 'मधुमास' चल रहा था। इस पर कोई नियम-कानून लागू नहीं था। लोग पैसे कमा रहे थे, बल्कि कई सर्विस प्रोवाइडर तो गलत धंधा भी कर रहे थे। मगर अब इसका नियमन सुनिश्चित किया जा रहा है। अभी तो इस कवायद की आलोचना हो रही है, लेकिन कुछ समय बाद हम यही महसूस करेंगे कि इसके 'इकोसिस्टम' का प्रबंधन उपभोक्ताओं के हित में है। अब यह क्षेत्र कहीं अधिक जवाबदेह बन सकेगा। हां, जीएसटी को कम करके इसे फिलहाल पंख फैलाने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन जीएसटी के दायरे में ही न लाए जाने की मांग बेतुकी है।

अन्य क्षेत्रों की तुलना में ऑनलाइन गेमिंग अब भी 'ग्रे जोन' है। यहां आर्थिक हेरफेर, दुष्प्रचार, फर्जी तरीकों का इस्तेमाल आदि की गुंजाइश काफी ज्यादा है। गेमिंग की आड़ में 'गैंबलिंग' (जुआ खेलना) तो काफी समय से हो रहा है। मगर जब आईटी नियम (संशोधित), 2023 लागू किए गए, तब उसमें यह तय किया गया कि अगर कोई कंपनी ऑनलाइन गेमिंग की सेवा दे रही है, तो उसे नियमों के दायरे में आना ही होगा। सरकार लगातार इसे कसने के प्रयास कर रही है। उसकी कोशिश है कि असल खिलाड़ी ही मैदान में रहें, जो ठगने की कोशिश करते हैं या खेल के नाम पर जुआ परोसते हैं, उनके ऊपर लगाम लगे। जीएसटी लगाने का फैसला इसी सोच के तहत लिया गया है।

ऑनलाइन गैंबलिंग बेशक कई 'कर सुरक्षित' देशों में मान्य है, लेकिन ज्यादातर राष्ट्र इसके पक्षधर नहीं हैं। वे सभी देश अपनी-अपनी तरह से इसे नियमन के दायरे में लाना चाहते हैं। इसीलिए दुनिया भर में ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने के प्रयास हो रहे हैं। हालांकि, वहां भी दोनों तरह के मत हैं। एक वर्ग चाहता है कि इस क्षेत्र को अभी और विस्तार का मौका मिलना चाहिए, और बाद में इस पर कानूनी बंदिश लगाई जाए। जबकि, दूसरा वर्ग, शुरू से ही इसे कानून के अधीन लाने की वकालत करता रहा है। यह भी एक कारण है कि अभी तक ऑनलाइन गेमिंग या गैंबलिंग को लेकर कोई अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं बन सका है, और न ही ऐसी कोई अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई है, जो इस पर टिप्पणी करती हो। यहां तक कि साइबर अपराध से निपटने वाली अपनी तरह की पहली अंतरराष्ट्रीय संधि 'बुडापेस्ट कन्वेंशन' भी इस पर बिल्कुल मौन है।

तर्क यह दिया जा रहा है कि सरकार का फैसला एक संकेत है कि इंटरनेट की दुनिया में मुफ्त का आनंद अब दुर्लभ है। मैं ऐसा नहीं मानता। हमें इस 'मुफ्त' की सोच से ऊपर उठना होगा। कोई भी कंपनी किसी क्षेत्र में लाभ कमाने की मंशा के साथ ही पैसा लगाती है। ऐसी किसी वेबसाइट या मंच पर, जो मुफ्त दिख रहा हो, आप जैसे ही अपना रजिस्ट्रेशन कराते हैं, बतौर उपभोक्ता एक उत्पाद बन जाते हैं। उपभोक्ताओं को तार्किक होना चाहिए। आखिर कोई कंपनी उनको मुफ्त में सेवा क्यों देगी या उसे क्यों देनी चाहिए? मुफ्त के चक्कर में लोग क्या सेवाओं की गुणवत्ता, डाटा- सुरक्षा, निजता की रक्षा आदि से समझौते तो नहीं कर रहे हैं? बेशक, ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लगाने के फैसले से ये तमाम सेवाएं महंगी हो सकती हैं और अंततः उपभोक्ताओं की जेबों पर ही इसका बोझ पड़ेगा, लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि बिना टैक्स लिए सरकार शासन-संबंधी काम आसानी से कैसे कर सकेगी? लोगों को कर चुकाने की आदत विकसित करनी चाहिए।

ऑनलाइन गेमिंग से हमें फायदा भी है और नुकसान भी। यह कुछ-कुछ उस आधे भरे ग्लास जैसा है, जिसके बारे में खुद हमें यह तय करना है कि वह आधा भरा है या खाली? अगर आम लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं, तो उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी सरकार का दायित्व है। बेशक, 28 फीसदी जीएसटी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी ऑनलाइन गेमिंग सर्विस प्रोवाइडर करने लगे हैं, लेकिन ऑनलाइन गेमिंग को काला धन या भ्रष्टाचार का कारोबार बनने से रोकना ही होगा। अब देखना यह है कि सरकार कैसे अपने मकसद में कामयाब हो पाती है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बच्चों की सुरक्षा, सहूलियत का ध्यान रखें हमारे शहर

क्षमा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

जब अनेक शहरों में बारिश का कहर है, तब बच्चों के क्या हाल हैं? यूनिसेफ की भारत प्रमुख सिंथिया मेककेफरी ने पिछले दिनों कहा कि शहरों को बच्चों के लिए सुरक्षित और 'चाइल्ड फ्रेंडली' या बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। यूनिसेफ ने इस तरह का सीएफसीआई नाम से अभियान भी चला रखा है। सिंथिया का कहना था कि शहरों को बच्चों और युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाए। जहां हवा साफ हो, हरियाली हो, सुरक्षित वातावरण हो।

सिंथिया ने कहा कि अभी 56 प्रतिशत से अधिक लोग शहरों में रहते हैं। 2050 तक दुनियाभर के 70 प्रतिशत लोग शहरों में रहने लगेंगे। इसका मतलब दुनिया में करीब 160 करोड़ बच्चे भी शहरों में रहने लगेंगे। शहरों की तरफ आबादी का यह स्थानान्तरण एशिया और अफ्रीका में अधिक होगा। आजकल हर हफ्ते करोड़ों लोग दुनियाभर में शहरों की तरफ आते हैं। उनमें से बहुत से ऐसी जगहों पर बस जाते हैं, जहां मामूली सुविधाएं भी नहीं होती हैं। हमें इन बातों को ध्यान में रखकर न केवल बच्चों के लिए, बल्कि सभी के लिए सुविधा सम्पन्न शहर बनाने हैं। एक सवाल के जवाब में सिंथिया ने यह भी कहा कि भारत भी इस बारे में गंभीरता से विचार कर रहा है कि कैसे शहरों को बच्चों और युवाओं के लिए सुरक्षित और मित्रवत बनाए। बच्चे जब गांवों से शहरों की तरफ आते हैं, तो अपने को बहुत अकेला पाते हैं। उन्हें परिवार और समाज की सहायता भी अकसर नहीं मिल पाती है। उनके लिए वातावरण भी नया होता है। हमें उनकी सुनने के लिए ऐसे मंच भी तैयार करने होंगे, जहां वे निर्भय होकर अपनी बात कह सकें। बच्चों के लिए जो भी निर्णय किए जाएं, योजनाएं बनाई जाएं, उनमें उन्हें शामिल किया जाए।

आखिर बच्चों के लिए अच्छे और उनसे मित्रता निभाने वाले शहर कौन से हो सकते हैं? वे शहर, जहां सत्ता में बैठे लोग बच्चों

की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखते हैं, वहां उनके अधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएं। जहां हर बच्चा सुरक्षित महसूस कर सके। जीवन की मूलभूत सुविधाएं जैसे कि साफ पानी और साफ हवा हर बच्चे को उपलब्ध हो। जहां बच्चे खूब खेल सकें। अच्छी तरह से विकसित हो पाएं, जीवन में आगे बढ़ सकें और उनकी आवाज भी सुनी जाए। इसके लिए उन्हें ऐसे मंच भी प्रदान किए जाएं, जहां आकर वे अपने मन की बातें कह सकें।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में यूनिसेफ ने शारजाह को सबसे अधिक चाइल्ड फ्रेंडली शहर घोषित किया था। स्वीडन, नॉर्वे, आइसलैंड, एस्टोनिया और पुर्तगाल को भी वहां की नीतियों के कारण बच्चों के लिए अच्छा माना जाता है। डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर में रहने वाले बच्चों को होमडेज बेस्ट सिटीज की 2017 की सूची के अनुसार सबसे खुश माना गया था। यूनिसेफ के अनुसार, नीदरलैंड के बच्चे सबसे ज्यादा खुश रहते हैं। यह अच्छी बात है कि हम भी अपने शहरों को बच्चों और युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित करने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन देखा गया है कि जिन माध्यमों से बच्चे अक्सर आवागमन करते हैं, जैसे रेल, बस, टैक्सी, ऑटो, इनमें से कोई भी उनके लिए दोस्ताना साधन नहीं हैं। यही नहीं, स्कूलों में भी उनकी सुरक्षा और जरूरत की चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता है। कई बार देख-रेख के अभाव में स्कूलों की दीवारें और छतें गिर जाती हैं। शहरों के बहुत से स्कूलों में उनके खेलने की भी पर्याप्त सुविधाएं नहीं होती हैं। किसी जलभराव, बाढ़ या भूकंप में बच्चे ही सबसे पहले शिकार बनते हैं। इन आपदाओं या किसी बस और रेल दुर्घटना में वे अपने परिवारों से भी बिछड़ जाते हैं। उनमें से बहुत से कभी अपने परिवार से नहीं मिल पाते हैं। इसलिए बच्चों से संबंधित सूचना विकास की प्रणाली विकसित करने की भी भारी आवश्यकता है। सड़क पर कोई गड्ढा हो या लोगों की लापरवाही या गलत व्यवहार, सबसे पहले आफत बच्चों को ही झेलनी पड़ती है।

उम्मीद है कि हमारे देश के योजनाकार बच्चों को ध्यान में रखकर ही अपनी नई योजनाएं बनाएंगे। जहां बच्चे एक अच्छे और सुरक्षित वातावरण में सांस ले सकेंगे। जीवन में आगे बढ़ सकेंगे।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

चुनाव पूर्व साख बनाने के लिए दलों के दांव

यश गोयल

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पूर्व राजनीतिक दलों की 'नेट प्रैक्टिस' शुरू हो चुकी है। यूं तो राजस्थान में 1998 से अब तक जो विधानसभा चुनाव हुए, उनमें कांग्रेस पार्टी ने किसी भी प्रत्याशी को अपना मुख्यमंत्री घोषित करके चुनाव नहीं लड़ा। वर्ष 1998, 2003 और 2018 में जब भी कांग्रेस सत्ता में आई तब-तब विधायकों ने सीएलपी बैठक के बाद एक लाइन प्रस्ताव पारित कर पार्टी हाई कमांड (सोनिया गांधी) को अधिकृत किया कि वो मुख्यमंत्री का चयन करें। इसलिए तीन बार अशोक गहलोत को मौका मिला। विधानसभा चुनाव से पांच माह पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने हाल ही में दिल्ली में राजस्थान के वरिष्ठ सदस्यों, मंत्रियों और विवादों में उलझे रहे सचिन पायलट की मौजूदगी में तय किया कि पार्टी को संगठित और नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा। अपने दोनों पैर के पंजों में दुर्घटना के बाद प्लास्टर बंधे और व्हीलचेयर पर बैठे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल बैठक में भाग लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ अपनी सहमति व्यक्त की।

दिल्ली बैठक में संकेत देने की कोशिश हुई कि गहलोत और पायलट के बीच तीन साल से 'सीएम कुर्सी' के लिये चला आ रहा विवाद और मीडियाबाजी समाप्त हो गयी है। तय हुआ कि गहलोत की सफल योजनाओं के आधार पर चुनाव लड़ा जायेगा। पायलट की तीन मांगों में से दो गहलोत सरकार ने मान ली हैं। कांग्रेस में सितम्बर में चुनाव में जीतने वाले नेताओं को टिकट दे दिये जायेंगे। पार्टी हाई कमांड की बैठक बाद पायलट ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में स्वीकारा कि, 'अशोक गहलोत जी मुझसे बड़े हैं, उनके पास अनुभव भी ज्यादा है। जब मैं राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष (2013-18) था तो मैंने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की। मुझे लगता है कि आज वह मुख्यमंत्री हैं। सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी और जनता किसी भी व्यक्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण है।' काश! पायलट ये बात 2020 में उपमुख्यमंत्री रहते हुए मान लेते तो आज अच्छी स्थिति में होते।

विपक्ष में खड़ी भाजपा को जब से नये अध्यक्ष और चितौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी मिले तब से वे पूर्व पार्टी अध्यक्ष सतीश पूनिया की जनाक्रोश यात्रा को भूल कर 'विजय संकल्प' के धरने, प्रदर्शन और सड़कों पर कांग्रेस विरोधी मुद्दे उठाकर गिरफ्तारियां देने में लगे हुए हैं। पिछले दिनों तो एक ही हफ्ते में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री की विशाल जनसभाएं मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों पर बालेसर, उदयपुर, और बीकानेर में क्रमशः करा दी गयीं। भाजपा को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उठाये गये सरकार में फैले भ्रष्टाचार और एंटी इनकम्बेंसी के मुद्दे पर हार मिली। भाजपा ने तय किया कि वो भी गहलोत सरकार को चारों ओर से भ्रष्टाचार के मुद्दों, लॉ एंड आर्डर और मुस्लिम तुष्टीकरण पर घेरेगी। इसी को ध्येय बनाकर राजनाथ सिंह ने दावा किया कि मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल में उन पर और उनके किसी मंत्री पर एक भी करप्शन का आरोप नहीं लगा है, जबकि राजस्थान में केंद्र की स्कीमों और अन्य स्थानीय मामलों के बजट पर भ्रष्टाचार की बानगी है।

अमित शाह ने विपक्ष के 21 दलों के गठबंधन पर और सीधे राजस्थान मुख्यमंत्री पर आरोप मढ़ दिया कि गहलोत अपने बेटे वैभव को भी मुख्यमंत्री बनाने में व्यस्त हैं। कानून व्यवस्था पर शाह ने उदयपुर के कन्हैयालाल मर्डर केस का जिक्र करते हुए मंच से यह तक कह दिया कि केंद्रीय एजेंसी एनआईए ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था तथा सरकार ने अभी तक इस केस के लिये एक 'विशेष कोर्ट' तक नहीं बनाई।

प्रधानमंत्री ने पिछले आठ-नौ महीनों में राजस्थान को हजारों करोड़ की विकास योजनाएं दीं। वहीं मोदी ने राजस्थान बीजेपी द्वारा आयोजित 7 पब्लिक रैलियों में भी राज्य के पूर्व, उत्तर, दक्षिण, और पश्चिम जिलों से विधानसभा चुनाव के बिगुल बजाये। बीकानेर के रैली में उन्होंने तो कांग्रेस को 'लूट की दुकान' और 'झूठ का बाजार' की संज्ञा दे दी। कहा, जो पैसा केंद्र भेजता है उस पर कांग्रेस का पंजा झपट्टा मार लेता है। भाजपा ने 2018 का राजस्थान चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी के कारण और कांग्रेस द्वारा उठाए गए घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर हारा था। जबकि भाजपा ने किसी को भी मुख्यमंत्री चेहरा नहीं बनाया था। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता ने मोदी चेहरे पर राज्य के 25 सांसद (एक राएलपी-भाजपा गठबंधन का था) भाजपा की झोली में डाल दिये थे।

बीजेपी के दिग्गज नेता कहते हैं कि ये चुनाव मोदी सरकार के नौ साल की सफल योजनाओं, गरीब कल्याण और विकास के मुद्दों पर लड़ेंगे और सीएम प्रत्याशी को प्रोजेक्ट नहीं किया जायेगा। जातियों और वर्गों को ध्यान रखते हुए उदयपुर संभाग से ब्राह्मण नेता और सांसद सीपी जोशी को भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया और सतीश पूनिया को केंद्र चुनाव समिति में नामित किया।

राजपूत समाज को लुभाने के लिये गैर-आरएसएस व बीजेपी के विधायक राजेंद्र सिंह राठौड़ को विपक्ष का नेता बनाया गया है। केंद्रीय जलमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अभी हाल ही में सवाई माधोपुर में ये तक कह दिया था, 'अगर आप लोग राजेंद्र सिंह का राज बना दो तो मैं 46000 करोड़ रुपये के राजस्थान के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ईआरसीपी को तुरंत बना दूंगा।'

वसुंधरा राजे प्रदेश के सभी मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ जनता रैली भी संबोधित कर रही हैं। राजस्थान से जुड़े रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जब से बालासोर ट्रेन दुर्घटना में व्यस्त हुए हैं तबसे वे राज्य की किसी भी पब्लिक मीटिंग्स में नहीं आ रहे हैं। उनका नाम भी सीएम चेहरे की रेस में रहता है।

कांग्रेस ने अपने संगठन को पुनर्जीवित करते हुए 25 जिला अध्यक्ष, 21 उपाध्यक्ष, 48 महासचिव और 121 सचिव नियुक्त किये हैं। इनमें से कई विस चुनाव के टिकट के दावेदार होंगे। वहीं राज्य बीजेपी ने विजय संकल्प के साथ 29 की जो कार्यकारिणी बनाई है, उनमें अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को भविष्य का महत्वपूर्ण चेहरा माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार की ओल्ड पेंशन स्कीम ने हर राज्य की सरकार को हिलाकर रखा हुआ है। इस मसले पर हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की सरकार विजयी हुई थी। गहलोत की 25 लाख रुपये तक की चिरंजीवी स्वास्थ्य स्कीम ने केंद्र की आयुष्मान योजना को पीछे छोड़ दिया है। कांग्रेस की महंगाई राहत की दस प्रमुख योजनाओं से अब तक 1.78 करोड़ परिवार सीधे-सीधे लाभान्वित हो चुके हैं और 7.56 करोड़ गारंटी कार्ड ले चुके हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला शहरी सार्वजनिक सर्विस सोसाईटी की साधारण सभा की बैठक संपन्न

रायपुर। रायपुर जिला शहरी सार्वजनिक सर्विस सोसाईटी की साधारण सभा की बैठक कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक में रायपुर जिला शहरी सार्वजनिक सर्विस सोसाईटी के द्वारा संचालित सिटी बसों के संबंध में चर्चा हुई। बैठक मे बताया गया कि वाहन कम्पनी द्वारा अधिकृत डीलर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में कुल 17 सिटी बसों के स्पेयर्स पार्ट्स आसानी से उपलब्ध न होने से मरम्मत नही होने की जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि स्पेयर्स पार्ट्स उपलब्ध होने पर भी प्रतिवर्ष अतिरिक्त व्यय आएगा। अतएव समस्त 17 बसों को सिटी बसों के रूप मे चिन्हित मार्ग में संचालन हेतु नही माना गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि वाहन की वर्तमान औसत आयु 07 वर्ष की हो चुकी है जबकि शासन के नियमानुसार डीजल चलित वाहन को 15 वर्ष तक संचालित किए जाने का प्रावधान है। अतः उक्त बसों को स्क्रैप न करते हुए मूल्यांकन कराने के पश्चात् बेचने का निर्णय लिया गया। बैठक में युवतियों के कौशल उन्नयन के लिए नवगुरूकुल फाउंडेशन पर चर्चा हुई। जिसके अनुसार यह निर्णय लिया गया कि बेरोजगारी भत्ते से ही चिन्हित छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्राओं को रूकने तथा प्रशिक्षण हेतु चिन्हित भवनों या हॉस्टल में किए जाने सोसायटी मद से किए जाने की स्वीकृति दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, आरटीओं शैलाभ साहु, सीएमएचओं मिथलेश चौधरी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मतदान के लिए किया गया जागरूक

कोरबा । भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोरबा के निर्देशानुसार आदर्श नवयुवा मण्डल समिति निहारिका में उभय लिंग व्यक्तियों का सम्मेलन एवं मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक नोडल अधिकारी (स्वीप) श्री अनिल रात्रे ने कार्यक्रम में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 2023 के निर्वाचन में समावेशी, सुगम एवं सहभागी निर्वाचन की थीम रखी गई है। जिसके तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर दिव्यांग, उभयलिंग व्यक्तियों का नाम जोडने एवं पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है।
इसी तरह इन्हरव्हील एजुकेशन सोसायटी रामपुर कोरबा में दिव्यांगजनों का सम्मेलन एवं मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापक ई.व्ही.पी.जी. कालेज बलराम कुर्रे, परिवीक्षा अधिकारी समाज कल्याण विभाग मुकेश कुमार दिवाकर, सरोज पटेल प्राचार्य श्रीमती रीता खेत्रपाल आदि उपस्थित थे।

एनआईटी में चयनित कु. शालिनी ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

चाय बेचने वाले की बेटी ने भेदा एनआईटी का लक्ष्य, रायपुर में करेगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में स्थित कोरर एक दूरस्थ क्षेत्र है। यहां के बच्चों ने कभी नहीं सोचा था कि वो एक दिन अपना असंभव सा लगने वाला लक्ष्य पूरा करेंगे। कोरर की रहने वाली शालिनी कहती हैं यदि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने हमर लक्ष्य योजना की शुरूआत नहीं की होती तो आज एनआईटी में पढ़ने का उनका सपना कभी पूरा नहीं हो सकता था।

कहते हैं न प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती और न ही वह स्थान देखती है। वर्तमान परिवेश में प्रतिभायें पिछड़े एवं ग्रामीण ईलाकों से भी निकल रही है और अपना परिचय दे रही है। ऐसी ही कहानी है कांकेर जिले के कोरर की जहां की कुमारी शालिनी औरेया का एनआईटी मैकेनिकल में चयन हुआ है। शालिनी से बात करने पर उसने बताया कि उसके पिता कोरर में एक सामान्य चाय का ठेला चलाते है। उनकी इच्छा थी कि उनकी बेटी अच्छी शिक्षा प्राप्त करे लेकिन आर्थिक स्थिति इस काम में बाधा डाल रही थी। शालिनी ने बताया कि उसने 12वीं तक की पढ़ाई शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कोरर में ही पूरी की और उसे 88 प्रतिशत प्राप्त हुए।

इसके बाद उसने जिला प्रशासन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु संचालित हमर लक्ष्य कोचिंग सेंटर में अपनी कोचिंग प्रारंभ की। शालिनी की इस सफलता को प्रोत्साहित करते हुए जिला प्रशासन ने उसकी पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस सहयोग के मिल जाने से शालिनी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की इस योजना ने मेरे उड़ान के हौसले में पंख लगा दिया है जिसके लिए मैं मुख्यमंत्री का सदैव आभारी रहूंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कांकेर जिले में आयोजित स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय कांकेर का लोकार्पण, हमर लक्ष्य कार्यक्रम अंतर्गत एनआईटी रायपुर में चयनित छात्रों को कॉलेज फीस हेतु सहायता राशि का वितरण एवं बेरोजगारी भत्ता योजनान्तर्गत हितग्राहियों को नियुक्ति पत्र वितरण, हितग्राहियों एवं विद्यार्थियों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से कांकेर जिले के कोरर की निवासी कुमारी शालिनी औरेया ने मुख्यमंत्री से बातचीत की। कुमारी शालिनी का चयन एनआईटी रायपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई हेतु चयन हुआ है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। शासन द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के विद्यालय खोले जा रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी मदद दी जा रही है। कांकेर जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ जेईई, एनडीए एवं नीट की परीक्षा के लिए भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिसे अच्छे परिणाम आ रहें हैं।

सत्संग व भक्ति ही भगवान को वश में करने का साधन - पंडित मेहता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लव फ ॉर ह्मयुमैनिटी नींव संस्था द्वारा मैक कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा विश्रांति के दिन कथावाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने समर्पण सूत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान में पूर्ण समर्पण सत्संग व भक्ति के बिना भगवान को वश में नहीं किया जा सकता, जीवन में समर्पण का होना नितान्त आवश्यक है, भगवान के प्रति समर्पण जितना आवश्यक है उतना ही परिवार के प्रति भी समर्पण का भाव होना जरुरी है।

जीवन के इस सफर में सुख-दुख, धूप और छांव की तरह है और इसे भगवान का प्रसाद मानकर ग्रहण करना चाहिए न कि दुख आने पर किसी से शिकायत। भगवान पर पूरा भरोसा और उनके प्रति समर्पण, संसार, परिवार, समाज और मित्रों के प्रति होना चाहिए। समर्पण में किसी भी प्रकार का सवाल या कामना की भावना नहीं होनी चाहिए, भगवान चाहे जैसा रखें हमें उसी में खुश रहने की आदत डालनी चाहिए, जीवन की नाव भगवान ही चलाते है, उन्हें मालूम है कब जीव की नाव को मझधार में लेकर जाने है और कब उसे पार लगाना है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और उद्धव प्रसंग पर बताया कि भगवान ने उद्धव को जो गूढ़ रहस्य बताए वह संसार के जीवों के लिए है, भगवान न योग से, न साधना से, न पूजा से, न त्याग से, न दान से, किसी से वश में नहीं आते है भगवान वश में आते है तो वह है सत्संग और भक्ति।

जिसने भगवान का सत्संग किया है जो भगवान की भक्ति में लीन हो गया है भगवान का वह सबसे प्रति भक्त होता है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि मनुष्य अपने सारे कामों को संसार को छोड़ दें, संसार में रहते हुए उसके ध्यान में केवल भगवान होना चाहिए न कि संसार की विषय-वस्तुएं। भगवान को सबसे प्रति उनकी भक्ति लगती है और भक्ति के लिए ध्यान लगाना आवश्यक है, ध्यान पवित्र और एकांत में होना चाहिए।

इलाज का वादा हुआ पूरा

मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रयास से नन्ही वर्षा का हुआ कोक्लियर इंप्लांट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। मनेंद्रगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान चिरमिरी से तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली आठ साल की नन्ही वर्षा अपने परिजनों के साथ आई थी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्षा और उनके परिवार से बातचीत की तथा उनके पिता मुकेश मिश्रा ने अपनी बच्ची वर्षा के इलाज की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तत्काल वर्षा के इलाज के निर्देश दिए।

मुकेश से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षा को बचपन से ही सुनने और बोलने में तकलीफ थी जिससे दिनचर्या में काफी कठिनाइयां होती हैं। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन की मदद से वर्षा को एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया। एम्स में कुशल चिकित्सकों द्वारा वर्षा का सफल कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी किया गया।

सर्जरी के बाद वर्षा अब पूरी तरह से सुन सकती है और आवाज सुनकर प्रतिक्रिया भी देती है तथा बोलना भी सिख रही है, उनके पिता मुकेश मिश्रा एवं परिवारजनों ने बेहद खुशी एवं संतोष के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह से मिलकर जिला प्रशासन की सहायता के लिए उन्हें धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण स्तर पर सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को मिल रहा बढ़ावा

युवाओं को संगठित कर मंच प्रदान करता मितान क्लब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को तराशने और उन्हें संगठित कर उपयुक्त मंच प्रदान किया जा रहा हैं। जिसके माध्यम से ग्राम स्तर पर युवा क्लब गठित कर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियों के भागीदार बन रहे हैं। युवा ग्रामीण स्तर पर राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से छत्तीसगढ़ियां खेल, पर्व, संस्कृति को सहेजने में भी अपनी महती भूमिका निभा रहे है।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में जिले में पुसौर विकासखण्ड के 88 ग्राम पंचायतों में क्लब बनाया गया हैं। इसके साथ ही राजीव युवा मितान क्लब की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही हैं। जहां युवा संगठन नियमित रूप से कार्य करते हुए सामाजिक एवं शासकीय गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहें और ग्रामीणों को जागरूक भी कर रहे हैं। राजीव युवा मितान क्लब के कार्ययोजना अनुसार आगामी दिनों में ग्रामीण अंचल के साथ शहरी क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके साथ ही रैली, दीवाल लेखन, संगोष्ठी आयोजित करने निर्देश दिया गया। ताकि बेहतर कार्यक्रम आयोजित कर आगामी विधानसभा निर्वाचन हेतु लोगों को जागरूक किया जा सके। इसके साथ ही बीएलओ से प्राप्त संशोधित सूची के आधार पर नये मतदाताओ का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही गत दिवस वृद्ध जन एवं दिव्यांग जन मतदाताओं का सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा ग्राम छींच में वृक्षारोपण का कार्य भी गया।

वर्तमान में विभिन्न ग्राम पंचायत, स्कूल गोठान तथा प्राथमिक शाला में वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा हैं। इसके साथ ही जिले में राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान व पेयजल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, स्कूलों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थित हेतु कार्य करना, कुपोषण अभियान, मलेरिया उन्मूलन, स्वैच्छिक रक्तदान एवं नशामुक्ति कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

साथ ही विभागीय समन्वय के माध्यम से क्लब के सदस्यों द्वारा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की पहचान एवं योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने में भी महती भूमिका निभा रहे है। जनपद सीईओ महेश पटेल ने बताया कि राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की तैयारियां के संबंध में बैठक ली गई। जिसमें आगामी 17 जुलाई से प्रारंभ होने वाले छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की तैयारियां क्लब स्तर में प्रतिभागियों का पंजीयन प्रारंभ किया जा रहा हैं।

अमृत सरोवर योजना से तालाबों को मिल रहा नया जीवन

बारह महीने पानी से लबालब रहता है ऐतिहासिक बूढ़ा देव तालाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के तालाबों का उपयोग अब गांवों की आर्थिक तरक्की के लिए होने लगा है। तालाबों का मछली पालन, बतख पालन, सिंघाड़े की खेती, जल पर्यटन और अन्य गतिविधियों जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा रहा है। यह रोजगार मूलक भी है। अमृत सरोवर निर्माण से उमरगांव एक सामाजिक मिलन स्थल के रूप में भी स्थापित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ऐतिहासिक बूढ़ा तालाब अब ग्रामीणों के आय स्त्रोत का एक जरिया बन चुका है। कुछ वर्षों पहले तक जिस तालाब का जलस्तर लगातार घट रहा था, आज वह बारह महीने पानी से लबालब रहता है। धमतरी जिला के नगरी विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत उमरगांव स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह जैसे महान योगदानों का हिस्सा रहा है। आदिवासी बाहुल्य उमरगांव में आदिदेव बूढ़ादेव के नाम से इस तालाब का निर्माण कराया गया था, जो धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोता जा रहा था। तालाब का जलस्तर लगातार गिर रहा था, परंतु आज अमृत सरोवर योजना से बूढ़ादेव तालाब को नया जीवन मिल गया है।

धमतरी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार गांवों में अमृत सरोवर योजना के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार और निर्माण किया जा रहा है। गर्मी के दिनों में पेयजल, सिंचाई संबंधित जल व्यवस्था और भूमिगत जल का स्तर बनाये रखने के लिए किया जा रहा है। इस योजना से सरोवर पानी संग्रहण हेतु कारगर सिद्ध हो रहे हैं। निर्माण कार्य में ग्रामीणों विशेषकर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही है। महिलाओं को व्यवसाय के प्रति स्वावलंबी बनाने के लिए निर्मित अमृत सरोवर में मछली पालन की ओर उन्मुख किया जा रहा है। महिलाओं में भी व्यवसाय के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा है। आज महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। विश्वास और आत्मनिर्भरता की कहानी खुदबखुद गढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा योजना के तहत कुल 1.40 एकड़ क्षेत्र के लिए 12.88 लाख रूपये की लागत से आदिदेव बूढ़ादेव को अमृत सरोवर योजना से जीर्णोद्धार किया गया। अमृत सरोवर का मतलब ही है सरोवर में लबालब पानी भरा रहे। इस योजना के माध्यम से 150 श्रमिकों ने उक्त निर्माण कार्य से 3165 मानव दिवस अर्जित किया और उन्हें मजदूरी भी प्राप्त हुई। बूढ़ा तालाब अब ग्रामीणों की निस्तारी का एक स्त्रोत बनने के साथ ही आमदनी का जरिया भी बन गया है। ग्रामीण परिवेश में खासतौर पर ऐसे सरोवरों में मछली पालन व सिंघाड़ा का उत्पादन कर समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त एवं समृद्ध हो रही है।

ग्राम पंचायत सरपंच श्री सुरेश नेताम ने बताया कि बूढ़ादेव तालाब अमृत सरोवर निर्माण होने से जल संग्रहण की सुविधा में बढ़ोत्तरी हुई है। इनलेट और आउटलेट निर्माण से सरोवर का कायाकल्प हुआ है।

महापौर ने जोन 10 का निरीक्षण कर लोगों की शिकायतें सुनी

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर को नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 के क्षेत्र के तहत आने वाले दुर्गा नगर, रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय के पीछे न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र के रहवासियों ने वहाँ अवैध कब्जे किये जाने एवं चाय टपरी की अवैध दुकान खोलकर अवैध व्यवसाय चलाये जाने से सम्बंधित जनशिकायत की। निरीक्षण के दौरान स्थल पर जनशिकायत सही पाये जाने पर महापौर एजाज ढेबर ने जोन 10 के सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल अभियान चलाकर थ्री डी मशीन की सहायता से अवैध कब्जों सहित अवैध चाय टपरी दुकान को तत्काल हटाने की त्वरित कार्यवाही करवाने के निर्देश निगम जोन 10 के सम्बंधित अधिकारियों को दिये।

खास खबर...

चौतरफा निराशा में डूबी बीजेपी अवसाद की शिकारः कांग्रेस

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा नेताओं के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि चौतरफा निराशा में डूबी भाजपा डिप्रेशन का शिकार है। इसके केंद्रीय नेताओं से लेकर स्थानीय नेताओं तक का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। हिमाचल, कर्नाटक के बाद अब पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में बुरी तरह ठुकराए जाने से भाजपा को अहसास हो गया है कि अब पूरे देश में दुर्गति होना तय है। छत्तीसगढ़ में तो भाजपा की हालत इतनी ज्यादा खराब है कि पार्टी का अस्तित्व बचाने छत्तीसगढ़ दौरे के लिए मोदी - शाह दौड़ लगा रहे हैं। तू चल, मैं आया की तर्ज पर एक आकर जाता है तो दूसरा चला आता है। चार साल से छत्तीसगढ़ को भूले बैठे मोदी को अब हर हफ्ते छत्तीसगढ़ का सपना आ रहा है। छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। भाजपा में महाभारत इस तरह चरम पर है कि केंद्रीय गृह मंत्री देश की चिंता छोड़ छत्तीसगढ़ भाजपा की वजूद बचाने बार -बार आ रहे हैं और हर बार निराश होकर जा रहे हैं। सब कुछ बदल के देख लिया। लेकिन भाजपा की हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा। मोदी- शाह वेंटिलेटर बन कर कृत्रिम सांसें दे रहे। कोई फर्क नहीं पड़ना। वेंटिलेटर भी काम नहीं आने वाला।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा के सारे नेताओं की बयानबाजी साबित कर रही है कि सभी कुंठित मानसिकता के गुलाम बन गए हैं। टिकट कटने की आशंका इन्हें सता रही है। छत्तीसगढ़ में सत्ता में आने का ख्वाब देख रहे पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को खुद की टिकट का भरोसा नहीं है। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का भी यही हाल है। घोषणा पत्र समिति से बाहर हो गए तो भय सता रहा है कि अब आगे क्या होगा। उन्हें अपने क्षेत्र की समस्याएं दिखने लगीं। इतने दशक से कर क्या रहे थे ? खुद साबित कर रहे हैं कि न मंत्री रहते हुए कुछ किया न विधायक रहते। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल की मनोदशा भी यही है। इनके प्रदेश अध्यक्ष को कोई पसंद नहीं कर रहा। सब अपने आप में सिकंदर हैं।

22 हजार एकड़ निजी भूमि पर दो करोड़ यूकेलिप्टस के पौधे लगाए जाएंगे

रायपुर (ए)। वन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशन पर 'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना' अंतर्गत छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 13,000 कृषकों के 22,000 एकड़ निजी भूमि में 1 करोड़ 86 लाख 14 हजार नग क्लोनल नीलगिरी पौधा रोपण का लक्ष्य है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए वित्तीय सहभागिता तथा नीलगिरी वृक्षारोपण के उत्पाद की वापस खरीदी के संबंध में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग छत्तीसगढ़ और सहयोगी संस्था/निजी कम्पनियों के मध्य द्विपक्षीय करारनामा में आज 13 जुलाई को हस्ताक्षर किया गया। गौरतलब है कि 'मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में वन क्षेत्र के बाहर कृषकों तथा अन्य हितग्राहियों की निजी भूमि पर प्रति वर्ष 36,000 एकड़ की दर से पांच वर्षो में 1,80,000 एकड़ में क्लोनल नीलगिरी एवं अन्य वृक्षों का वाणिज्यिक वृक्षारोपण का लक्ष्य है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सहयोगी संस्था तथा निजी कम्पनियों के वित्तीय सहभागिता से कृषकों और अन्य हितग्राहियों की निजी भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है, इसके माध्यम से योजना के हितग्राहियों के उत्पाद की वापस खरीदी सुनिश्चित करते हुए उनकी आय में बढ़ोत्तरी करना है।

विज्ञान के लोकव्यापीकरण में साईंस सेन्टर की महत्वपूर्ण भूमिकाः सत्यनारायण शर्मा

विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रादर्श प्रदर्शनी, वैज्ञानिक व्याख्यान एवं विज्ञान चित्र प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर में मनाया गया स्थापना दिवस

रीजनल साइंस सेंटर की वेबसाइट का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर के 12वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सत्यनारायण शर्मा ने विज्ञान लोकव्यापीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका को इंगित करते हुए इसे जन-मानस तक पहुंचाने में साइंस सेन्टर की महती भूमिका की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार हेतु प्रेरित किया। इस अवसर उन्होंने रीजनल साइंस सेंटर की वेबसाइट का भी विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक सत्यनारायण शर्मा ने साइंस सेंटर के 12 वर्ष पूर्ण होने पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति हमारी रूचि कैसे बढ़े, विज्ञान विषय को रूचिकर कैसे बनाएं। इस दिशा में साइंस सेंटर काम कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता के पूर्व महानिदेशक जीएस रौतेला ने की। कार्यक्रम में विभिन्न शालाओं से आये 500 छात्र-छात्राओं ने अन्य अन्य कार्यक्रम यथा- विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रादर्श प्रदर्शनी, वैज्ञानिक व्याख्यान एवं विज्ञान चित्र प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा चयनित उत्कृष्ट विद्यार्थियों को वर्ग अनुसार पुरस्कार विधायक सत्यनारायण शर्मा एवं महानिदेशक एसएस बजाज द्वारा प्रदान किया। छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेन्टर का मुख्य उद्देश्य समाज के वैज्ञानिक संकाय को प्रोत्साहित करना तथा उनमें तार्किक वैज्ञानिक सोच विकसित करना है। छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेन्टर अपने विभिन्न क्रियाकलापों, उपलब्ध प्रतिक्रियात्मक प्रदर्शनियों जैसे परिमापन, छत्तीसगढ़ के संसाधन एवं मनोरंजन विज्ञान गैलरियों, अस्थायी प्रदर्शनी हॉल, बच्चों का कोना, विज्ञान प्रदर्शन कोना, तारामण्डल, 3-डी रंगमंच सुविधा, विज्ञान उद्यान, वाचनालय-सह-संगोष्ठी हॉल तथा अन्य जनोपयोगी सुविधाएं का उपयोग करते हुये अपने उद्देश्यों के पूर्ति के लिये स्थापना वर्ष से सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम में महानिदेशक एसएस बजाज द्वारा विज्ञान लोकव्यापीकरण के क्षेत्र में प्रदेश स्तर पर सतत कार्य करने हेतु केन्द्र की प्रतिबद्धता व्यक्त की एवं अतिथियों एवं छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि विज्ञान के क्षेत्र में समसामयिक अनुसंधान के प्रति जन जागरुकता विकसित करने तथा जन मानस के प्रति विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने में विज्ञान केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ष 1950 में पं. जवाहर लाल नेहरू, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री तत्कालीन समय के प्रसिद्ध उद्योगपति जीडी बिड़ला एवं विश्व के प्रसिद्ध भौतिकीविद प्रो. के. सी. कृष्णनन एवं डॉ. बी.सी. रॉय ने भारत में विज्ञान संग्रहालय के स्थापना की नींव रखी। इस तारतम्य में राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत् 1978 में स्थापित किया गया जो कि पूरे भारत में फैले 26 विज्ञान केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन में महती भूमिका है। इसी श्रृंखला में राज्य के जनमानस में विज्ञान के प्रति रूचि जागृत करने एवं सम-सामयिक अनुसंधान के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेन्टर की स्थापना की गई।

17 सिटी बस बेचेगी अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी

रायपुर (ए)। रायपुर जिला शहरी सार्वजनिक सर्विस सोसायटी की साधारण सभा की बैठक कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक में रायपुर जिला शहरी सार्वजनिक सर्विस सोसायटी द्वारा संचालित सिटी बसों के संबंध में चर्चा हुई। बैठक मे बताया गया कि वाहन कम्पनी द्वारा अधिकृत डीलर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में कुल 17 सिटी बसों के स्पेयर्स पार्ट्स आसानी से उपलब्ध न होने से मरम्मत नही होने की जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि स्पेयर्स पार्ट्स उपलब्ध होने पर भी प्रतिवर्ष अतिरिक्त व्यय आएगा। अतएव समस्त 17 बसों को सिटी बसों के रूप मे चिन्हित मार्ग में संचालन हेतु नही माना गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि वाहन की वर्तमान औसत आयु 07 वर्ष की हो चुकी है जबकि शासन के नियमानुसार डीजल चलित वाहन को 15 वर्ष तक संचालित किए जाने का प्रावधान है। अतः उक्त बसों को स्क्रैप न करते हुए मूल्यांकन कराने के पश्चात् बेचने का निर्णय लिया गया। बैठक में युवतियों के कौशल उन्नयन के लिए नवगुरूकुल फाउंडेशन पर चर्चा हुई। जिसके अनुसार यह निर्णय लिया गया कि बेरोजगारी भत्ते से ही चिन्हित छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्राओं को रुकने तथा प्रशिक्षण हेतु चिन्हित भवनों या हॉस्टल में किए जाने सोसायटी मद से किए जाने की स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः साढ़े चार साल में 25 हजार से अधिक बेटियों का हुआ विवाह

गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह से माता-पिता के सपने हुए पूरे

वर्ष 2022-23 में 6 हजार 800 जोड़ों का विवाह संपन्न

विवाह के लिए सहायता राशि बढ़कर हुई 50 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से कई गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह से उनके माता-पिता के सपने साकार होने लगे हैं। पिछले साढ़े चार साल में 25 हजार 302 बेटियों का विवाह राज्य सरकार के सहयोग से संपन्न हुआ है। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6 हजार 800 जोड़ों का विवाह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रति जोड़ा सहायता राशि 25 हजार रुपए से बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। योजना के तहत 21 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता सामग्री के रूप में, 21 हजार रुपए का बैंक ड्राफ्ट तथा सामूहिक विवाह आयोजन व्यवस्था पर अधिकतम 8 हजार रुपए तक व्यय का प्रावधान भी किया गया है। इसके लिए बजट में 38 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। इस वर्ष 01 अप्रैल से बढ़ी हुई राशि से विवाह संपन्न कराए जा रहे हैं। योजना के तहत बढ़ाई गई राशि से अब तक 555 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। इससे कई परिवारों का बेटियों का विवाह का सपना पूरा हो रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने योजना के तहत राशि में दो बार वृद्धि की है। श्री बघेल ने मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद प्रस्तुत पहले बजट में ही बेटियों के विवाह को प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2019 में विवाह अंतर्गत दी जाने वाली अनुदान राशि को 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया था। अब यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी गई है। वर्ष 2019 की तुलना में निर्धारित बजट राशि भी 19 करोड़ रुपए से दोगुना बढ़ाकर 38 करोड़ रुपए कर दी गई है। इससे कई परिवारों में बेटियों के विवाह को लेकर चिंता दूर हुई है।

स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम के 318 स्कूलों में 9117 पदों पर होगी भर्ती

सभी पद स्कूल शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर ही भरे जा सकेंगे

रायपुर (ए)। स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम के 318 स्कूलों में 9117 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसको लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आत्मानंद स्कूलों में विभिन्न पदों की भर्ती के लिए नियमावली जारी कर दी गई है। सभी पद स्कूल शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर ही भरे जाएंगे। प्रत्येक स्कूल हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में एक सोसायटी का गठन किया गया है। इन स्कूल के संचालन हेतु गठित सोसायटी को भर्ती एवं स्कूल संचालन के अधिकार हस्तांतरित किए गए हैं।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी स्कूलों में प्राचार्य, उप प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधान पाठक (प्राइमरी एवं मीडिल स्कूल), शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, सहायक शिक्षक, सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला), ग्रंथपाल, लेखापाल एवं सहायक ग्रेड-02, सहायक ग्रेड-03, भृत्य, चौकीदार एवं अंशकालीन सफाई कर्मी के पद पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए राज्य शासन द्वारा सोसायटी को पद अंतरित कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदेश में शिक्षा सत्र 2022-23 से 32 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालयों का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति को सौंपा गया था।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल संचालन के संबंध में सोसायटी की नियमावली तय की गई है, जिसके अनुसार विद्यालय के संचालन के लिए पंजीकृत सोसायटी के राज्य शासन द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा और सोसायटी अन्य स्त्रोतों से भी धन जुटा सकेगी। विद्यालय के संचालन हेतु आवश्यक पद शासन की अनुमति से समिति द्वारा निर्मित किए जा सकेंगे। राज्य शासन द्वारा सोसायटी को अंतरित किए गए सभी पदों को सोसायटी केवल राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर ही भर सकेगी। इन पदों पर सोसायटी द्वारा सीधी भर्ती अथवा संविदा नियुक्ति नहीं की जाएगी। इन स्कूलों में वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर लेना सोसायटी के लिए अनिवार्य नहीं होगा। यदि सोसायटी इन कर्मचारियों को स्कूल के लिए उपयुक्त पाती है और यह कर्मचारी सोसायटी में प्रतिनियुक्ति पर कार्य करना चाहते हैं तो सोसायटी उन्हें प्रतिनियुक्ति पर ले सकेगी, अन्यथा सोसायटी राज्य शासन स्कूल शिक्षा विभाग के अन्य कर्मचारी को प्रतिनियुक्ति पर ले सकेगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में सत्र 2022-23 से 32 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट माध्यम विद्यालयों का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति को सौंपा गया था। इस योजना की सफलता को देखते हुए राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि अब प्रदेश में 318 स्कूलों को स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार इन 318 स्कूलों में से सबसे अधिक दंतेवाड़ा जिले में 54, बस्तर जिले में 43, कोरबा में 37, कांकेर और रायगढ़ जिले में 30-30, बीजापुर जिले में 22, सुकमा जिले में 18, दुर्ग और बिलासपुर जिले में 13-13 स्कूलों को स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

मानसून के दौरान अस्थमा रोगी इस तरह से रखें अपना ख्याल, नहीं बढ़ेगी समस्या

मानसून के दौरान हवा में तैरने वाले विभिन्न हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस के कारण अस्थमा से पीड़ित लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। खासतौर से बारिश पौधों के विकास को बढ़ावा देती है। इसके परिणामस्वरूप हवा में परागकण की मात्रा अधिक हो जाती है, जो अस्थमा को ट्रिगर करने का एक प्रमुख कारण है। इससे अस्थमा रोगियों के सामने आने वाले खतरे और बढ़ सकते हैं। ऐसे में उन्हें इन 5 तरीकों आजमाकर खुद का ख्याल रखना चाहिए।

गर्म तासीर वाली खान-पान की चीजें खाएं

मानसून के दौरान अस्थमा रोगियों को ऐसी गर्म तासीर वाली खान-पान की चीजों का सेवन करना चाहिए, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में भी सहायक हो। पेय के लिए आप अदरक चाय, मसाला चाय और हल्दी दूध को डाइट में शामिल कर सकते हैं जबकि खाने में लहसुन, अदरक, दालचीनी, लौंग और तेजपत्ता जैसी सामग्रियों से बने व्यंजन खाएं। मानसून के दौरान अस्थमा रोगियों के लिए भुनी शकरकंद, इडली, डोसा और अंडा खाना भी फायदेमंद हो सकता है।

भाप लें

भाप लेने से अस्थमा रोगियों को वायुमार्ग को खोलने में मदद मिल सकती है और सांस लेना आसान हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी उबालें और उसमें जीरा, तुलसी के पत्ते और नीलगिरी का तेल डालें। इसके बाद अपने सिर को किसी कपड़े से ढककर अपने मुंह को भाप वाले बर्तन के पास लाएं और भाप लें। 5-10 मिनट तक या जब तक आपकी सांस लेने में सुधार न हो जाए, इस प्रक्रिया को दोहराएं।

एसी के एयर फिल्टर को करें साफ

बारिश के मौसम में उमस बढ़ जाती है, जिसके कारण लोग एसी का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, अस्थमा रोगी इसका इस्तेमाल करते हैं तो समय-समय पर इसके फिल्टर को साफ करते रहें। समय के साथ धूल, गंदगी फिल्टर में जमा हो जाती है, जिससे इसकी हवा से प्रदूषक कण घर में फैल जाते हैं और उनसे अस्थमा रोगियों की परेशानी बढ़ सकती है। फिल्टर को साफ करने या बदलने से आप घर में बेहतर वायु गुणवत्ता बनाए रख सकते हैं।

अपने आसपास सफाई रखें

धूल और नमी से बचने के लिए अपनी चादरें नियमित रूप से बदलें। धूल के कण और कीटाणुओं से छुटकारा पाने के लिए तकिए और उनके कवर को हर हफ्ते गर्म पानी से धोएं। अगर संभव हो तो घर के फर्श से कालीन और रग्स हटा दें क्योंकि उन पर फफूंद और नमी जमा हो सकती है। अगर आप उन्हें हटा नहीं सकते तो उन्हें सप्ताह में कम से कम 2 बार वैक्यूम से साफ करें।

पालतू जानवरों से दूरी बनाएं

अगर आपको अस्थमा या एलर्जी है तो पालतू जानवरों वाले घरों में जाने से बचना चाहिए। हालांकि, अगर आपके पास पहले से ही एक बिल्ली या कुत्ता है तो उनकी आवाजाही को घर के एक क्षेत्र तक ही सीमित रखें। दरअसल, उनके बाल और त्वचा के कण के संपर्क में आने से आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती हैं। जानवरों के बाल अस्थमा और एलर्जी का एक आम कारण है।

मदालसा शर्मा की खूबसूरती पर हार बैठेंगे दिल, फोटो मचा रहीं इंटरनेट पर धमाल

छोटे पर्दे के पॉपुलर शो अनुपमा में काव्या के किरदार से पहचान पाने वाली एक्ट्रेस मदालसा शर्मा सोशल मीडिया पर भी कहर बरपाए रहती हैं। उनकी लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस मदालसा शर्मा मिथुन चक्रवर्ती की बहू हैं। आज एक्ट्रेस शो के जरिए घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस मदालसा अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। मदालसा शर्मा ने गोल्ड और सिल्वर वाली स्टाइलिश आउटफिट में अपनी कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं। एक्ट्रेस मदालसा शर्मा लाइट मेकअप और हेयर वन के साथ बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मदालसा शर्मा आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस के होश उड़ा ही देती हैं। एक्ट्रेस मदालसा शर्मा अपनी तिरक्षी निगाहों से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती नजर आ रही हैं। साथ ही इस आउटफिट में वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। मदालसा शर्मा की तस्वीरों पर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस की तस्वीरों पर हर्ट और फायर इमोजी की बौछार कर रहे हैं। मदालसा भले टीवी स्क्रीन पर निगेटिव रोल में प्ले कर रही हों, लेकिन रियल लाइफ में वो एकदम बिंदास रहती हैं। एक्ट्रेस मदालसा टीवी इंडस्ट्री में आने से पहले बॉलीवुड सहित साउथ की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस मदालसा शर्मा इंस्टाग्राम पर काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 2.1 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

मानसून में गीले कपड़े सुखाने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

मानसून में नमी का स्तर बढ़ने के साथ-साथ कई दिनों तक धूप नहीं निकलती है। ऐसे में अगर कपड़े ढंग से नहीं सूखते हैं तो उनमें से बदबू आने या फफूंद लगने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। वैसे कुछ लोग वॉशिंग मशीन ड्रायर की मदद से कपड़े सुखाकर इस समस्या से छुटकारा पा लेते हैं, लेकिन जिनके पास ड्रायर नहीं है, उनके लिए मानसून में कपड़े सुखाना मुश्किल हो जाता है। आइए इसके लिए कुछ टिप्स जानते हैं।

एक साथ ज्यादा कपड़े धोने से बचें

जिन लोगों के पास वॉशिंग मशीन है या फिर समय की कमी है, वे एक साथ कपड़े धोना सही समझते हैं, लेकिन मानसून में ऐसा करने से बचें। इससे आपको न सिर्फ कपड़ों को सुखाने में, बल्कि उन्हें रस्सियों पर फैलाने में भी दिक्कत आ सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप इन कपड़ों को कमरों में फैलाते हैं तो इससे पूरा कमरा बिखरा-बिखरा लगता है, इसलिए अपने रोजाना के पहने गए कपड़ों को धोएं ताकि उन्हें सुखाना आसान हो।

अच्छे से निचोड़े कपड़े

अगर आप हाथ से कपडों को धोते हैं तो उन्हें सुखाने से पहले अच्छी तरह से निचोड़ें क्योंकि उनमें पानी रह गया तो उन्हें सूखने में काफी समय लग सकता है। जैसे कि अगर आप कोई चादर या फिर बड़ा कपड़ा धो रहे हैं तो परिवार के किसी सदस्य को एक कोना पकड़ाएं और आप दूसरे कोने को पकड़कर इसे अच्छी तरह निचोड़ दें। इसके बाद इसे रस्सी पर सही से फैला दें।

स्टैंड का करें इस्तेमाल

स्टैंड की मदद से आप मानसून के दौरान गीले कपड़ों को आसानी से सुखा सकते हैं। दरअसल, इसे घर के अंदर किसी भी कमरे में रखा जा सकता है और इसमें कपड़ों को टांगकर पंखे के नीचे आसानी से सुखाया जा सकता है। बस जब भी आपको लगे कि धूप निकलने की कोई संभावना नहीं है तो कपड़े धोने के बाद उन्हें कपड़े के स्टैंड पर लटका दें ताकि यह पूरी तरह से सूख जाएं।

हीटर का करें इस्तेमाल

आमतौर पर हीटर का इस्तेमाल कमरे की ठंडक को दूर करने के लिए किया जाता है, लेकिन जब बारिश में कपड़े सुखाने हों तो भी आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से कमरे में सुखाए गए कपड़ों में बची हुई नमी कम हो जाएगी। अगर आपकी कोई जींस या फिर कोई भी मोटा कपड़ा कहीं से गीला रहा गया है तो एक कमरे में हीटर चालू करें और उसके आगे गीले कपड़ों को फैला दें।

लाइन ड्राइंग है बेहतर तरीका

जब आपको लगे कि बारिश नहीं आने वाली है तो लाइन ड्राइंग कपड़े सुखाने का एक आसान तरीका है। इसके लिए पहले एक खुले मैदान (जो भी आपके घर के पास मौजूद हो) में कुछ रस्सियों को कसकर बांधें और इनका इस्तेमाल कपड़ों को सुखाने के लिए करें। इस तरह कपड़ों को न सिर्फ सही से जगह मिलती है, बल्कि वे अच्छी तरह सूख भी जाते हैं। मानसून में कपड़ों की दुर्गंध दूर करने के लिए इन तरीकों को अपनाएं।

तमन्ना भाटिया ने जेलर के गाने कावाला पर किया डांस

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी आने वाली फिल्म जेलर का गाना कावाला' पर डांस किया है। हाल ही में फिल्म जेलर का ट्रेलर रिलीज हुआ है। फिल्म जेलर के ट्रेलर में तमन्ना भाटिया, रजनीकांत के साथ कावाला गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इस गाने को शिल्पा राव और अनिरुद्ध रविचंदर ने गाया है। अनुराज कामराज ने गाने के लिरिक्स लिखे हैं। तमन्ना भाटिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस गाने पर अपनी डांस वीडियो शेयर की है।

वीडियो में तमन्ना के साथ बैकग्राउंड में दो और डांसर्स भी नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए तमन्ना ने लिखा, यदि आप पर अब तक इस गाने का नशा नहीं चढ़ा है तो हुकस्टेप ये रहा। सोशल मीडिया पर तमन्ना की डांस वीडियो पर फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

फिल्म जेलर के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। फिल्म जेलर में रजनीकांत, शिव राजकुमार, रम्या कृष्णन, योगी बाबु, वसंत रवि और विनायकन नजर आएंगे। दक्षिण भारतीय स्टार मोहनलाल इस फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस के तौर पर दिखेंगे। जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म जेलर इस साल 10 अगस्त को रिलीज होगी।

फिल्म भाग मिल्खा भाग मेरे करियर में सबसे अहमः फरहान अख्तर

रॉक ऑन, दिल धड़कने दो और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा जैसी फिल्मों के लिए मशहूर बॉलीवुड अभिनेता-निर्देशक-निर्माता फरहान अख्तर की फिल्म भाग मिल्खा भाग को 10 साल पूरे हो गए। इसमें उन्होंने भारतीय खेल के दिग्गज मिल्खा सिंह का किरदार निभाया था।

भाग मिल्खा भाग एक दशक पहले रिलीज हुई थी और इस फिल्म में भारतीय खेल दिग्गज मिल्खा सिंह की कहानी बताई गई थी जिन्होंने एशियाई खेलों के परचम लहराया था। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 400 मीटर में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र एथलीट है। उन्होंने 1958 और 1962 के एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित फिल्म की 10वीं वर्षगांठ पर फरहान ने सोशल मीडिया पर अपना आभार व्यक्त किया है।

स्क्रीन पर अपने किरदार के जीवन के विभिन्न चरणों को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फिल्म की रिलीज को 10 साल हो गए हैं, जिसका मेरे करियर और मेरे जीवन में बहुत महत्व है। बात यह है कि यह आपके दिलों में भी स्थान रखती है। मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए राकेश ओमप्रकाश मेहरा को एक बार फिर से तहे दिल से धन्यवाद। फिल्म को 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में दो खिताबों से सम्मानित किया गया।

कृति सैनन ने किया बतौर निर्माता अपनी पहली फिल्म दो पत्ती का ऐलान

अभिनेत्री कृति सैनन कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखा चुकी हैं और अब उन्होंने निर्माता की टोपी भी पहन ली है। कृति ने अपने होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती की घोषणा कर दी है और वह इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। खास बात है कि इसके जरिए कृति सालों बाद काजोल के साथ सेट पर वापसी करेंगी। कृति ने सोशल मीडिया पर भी यह जानकारी दी है। आइए जानते हैं उन्होंने अपने पोस्ट में क्या लिखा।

कृति ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके साथ निर्माता कनिका ढिल्लों, नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट प्रमुख मोनिका शेरगिल और काजोल नजर आ रही हैं। कृति ने लिखा, 3 बेहद मजबूत इरादों वाली, प्रेरणादायी और बेहद प्रतिभाशाली महिलाओं के साथ फिल्म दो पत्ती की घोषणा कर बहुत रोमांचित हूं। 8 साल बाद काजोल मैम के साथ दोबारा काम करने को लेकर ज्यादा ही उत्साहित हूं। इस कहानी को बताने के लिए नेटफ्लिक्स से बेहतर प्लेटफॉर्म कोई नहीं।

कृति ने कहा, दो पत्ती की कहानी मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि इसके जरिए बतौर निर्माता मैं अपना सफर शुरू करने जा रही हूं। मुझे फिल्म निर्माण का हर एक पहलू पसंद है और मैं हमेशा उन कहानियों में रचनात्मक रूप से ज्यादा शामिल होना चाहती हूं, जो मेरे दिल को छूती हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह महसूस किया है कि मैं अब अभिनय के अलावा और भी कुछ करने के लिए तैयार हूं।

कृति ने बीते दिन एक वीडियो साझा कर अपने प्रोडक्शन हाउस के नाम का ऐलान किया। उन्होंने इसके साथ लिखा, अब वक्त है और भी बहुत कुछ सीखने का। आखिरकार ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की शुरूआत हो गई है पूरे दिल और बड़े सपनों के साथ।

कृति ने आगे कहा, मैं प्रतिभाशाली कनिका ढिल्लों के साथ इस फिल्म का सह-निर्माण करने के लिए उतावली हो रही हूं। हमारी इस जादुई यात्रा के लिए नेटफ्लिक्स से बेहतर साझेदार भला कौन हो सकता था? उन्होंने कहा, काजोल मैम ने हमारी नारी शक्ति को और बढ़ा दिया है। 2015 में उनके साथ फिल्म दिलवाले में काम किया था। अब 8 साल बाद फिर उनका साथ पाकर रोमांचित हूं। मैं इस सफर के शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती।

नानी 30 से जारी हुआ नानी का पहला लुक, हाय नन्ना है फिल्म का नाम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी को पिछली बार दसरा में देखा गया था। 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। मौजूदा वक्त में नानी अपनी आने वाली फिल्म नानी 30 को लेकर चर्चा में है। फिल्म को लेकर तरह-तरह की जानकारी सामने आती रहती है। अब नानी की इस फिल्म से उनके लुक के साथ ही इसके टाइटल की घोषणा हो गई है।

शौरयुव द्वारा निर्देशित इस फिल्म का नाम हाय नन्ना रखा गया है। इसमे नानी की जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। दोनों इन दिनों फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर हाय नन्ना का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्रतीक्षा समाप्त हुई। हाय नन्ना की हमारी प्यारी-सी दुनिया की एक झलक। इस दिल छू लेने वाली कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती।

फिल्म को एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है और यह पूरे भारत में पांच भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इस बीच मृणाल की तीसरी तेलुगु फिल्म, जो फिलहाल अनटाइटल है और जिसकी जल्द ही शूटिंग शुरू होगी, का हाल ही में मुहूर्त हुआ, जहां एक्ट्रेस को विजय देवराकोंडा के साथ देखा गया।

फिल्म जवान का नया पोस्टर जारी, शाहरुख खान का दिखा धांसू अवतार

शाहरुख खान ने लगभग 4 साल बाद फिल्म पठान के जरिए वापसी कर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। यही वजह है कि उनकी आने वाली फिल्म जवान का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिनों निर्माताओं ने फिल्म का टीजर जारी किया था, जिसे सोशल मीडिया पर भरपूर प्यार मिल रहा है। अब गुरुवार को शाहरुख ने जवान का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें अभिनेता एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं।

शाहरुख ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर जवान का नया पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अब काम पर वापस जाना है। जवान रिलीज के लिए तैयार हो रहा है। #एएसकेएसआरके के लिए अपना समय देने के लिए धन्यवाद। जैसा कि फिल्म का पोस्टर भेजने का वादा किया गया था और निश्चित रूप से ढेर सारा प्यार। आप सभी से सिनेमाघरों में मुलाकात होगी।

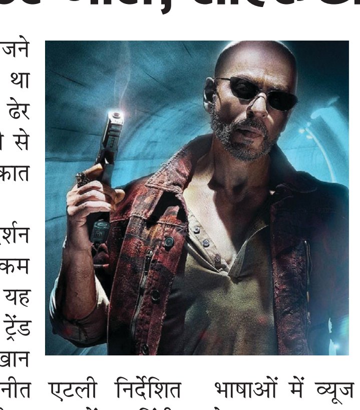

इस फिल्म के प्रदर्शन में अब दो महीने से कम का समय बचा है और यह इंटरनेट की दुनिया में ट्रेंड कर ही है। शाहरुख खान और नयनतारा अभिनीत एटली निर्देशित जवान केट्रेलर को तीन भाषाओं - हिंदी, तेलुगु और तमिल में जारी किया गया और यह जारी होने के बाद से सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो में से एक है। ट्रेलर सभी प्लेटफार्मों पर 100 मिलियन व्यूज को पार करने में सफलतापूर्वक कामयाब रहा है।

अब तक इस ट्रेलर को 100 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। एटली की फिल्म का ट्रेलर सोमवार को विभिन्न प्लेटफार्मों पर जारी किया गया और 112 मिलियन बार देखा गया! हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में व्यूज की संख्या को मिलाकर, ट्रेलर यूट्यूब पर ही 60 मिलियन व्यूज का आंकड़ा छूने के लिए तैयार है। हिन्दी में जारी किए गए ट्रेलर को अब तक 50 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं वहीं तमिल में जारी हुए ट्रेलर ने अब तक 6.3 मिलियन आंकड़ों को छूने में सफलता प्राप्त कर ली है। जबकि तेलुगु में जारी हुए ट्रेलर ने अब तक यूट्यूब पर 4 मिलियन आंकड़ों को छूने में सफलता प्राप्त कर ली है।

एसआरके और एटली की जवान 2023 की प्रत्याशित और प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसे एक व्यावसायिक मनोरंजन फिल्म माना जाता है और इसमें अभिनेता दोहरी भूमिका में हैं - एक खुफिया अधिकारी और एक चोर। फिल्म में अन्य लोगों के अलावा सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एटली निर्देशित इस फिल्म का निर्माण शाहरुख खान के बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है और यह 2 जून, 2023 को रिलीज होने वाली थी। फिल्म अब 7 सितंबर को रिलीज होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

हरेली तिहार मनाने के संबंध में कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

मोहला। 17 जुलाई को आयोजित हरेली तिहार मनाने और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कलेक्टर एस जयवर्धन ने अधिकारी-कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। कलेक्टर ने संबंधित सीईओ, पशु पालन विभाग, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, शिक्षा विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया है। जारी आदेशानुसार सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय विभाग प्रमुख को किसी भी एक कार्यक्रम में उपस्थित रहने कहा है। इसी प्रकार ब्लॉक स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में भी आयोजन कराने कहा गया है। गौठान में पशुओं की अधिक से अधिक उपस्थिति कराते हुए, चारा पानी की व्यवस्था कराने कहा गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने कहा गया है। इसी प्रकार ग्राम वासियों की मान्यता अनुसार पूजा पाठ का कार्यक्रम कराने, कृषक संगोष्ठी का आयोजन कराये जाने, पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन भी कराने कहा गया है। इसी तरह 17 तारीख से छत्तीसगढ़ ओलंपिक का भी शुभारंभ करते हुए गौठान में प्रतीकात्मक रूप से 5, 6 खेल का आयोजन कराने कहा गया है। रोका छेका व्यवस्था के संबंध में प्रचार प्रसार करने कहा गया है।

पौधा तुंहर द्वार कार्यक्रम के तहत महापौर ने किया पौधों का वितरण

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 14 मैगजीनभांठा बस्ती में घर-घर जाकर बस्तीवासियों को विभिन्न प्रजातियों के औषधि पौधें, फलदार, छायादार पौधें व अन्य प्रकार के पौधों का निःशुल्क वितरण किया। घर-घर पौधा कार्यक्रम के तहत वन विभाग के सहयोग से निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्डो में पौधों का वितरण किया जाना हैं। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित परिसर में 11 जुलाई महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने निःशुल्क पौधा वितरण 2023 के तहत '' पौधा तुंहर द्वार '' वाहन को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ कराया गया था। योजना के तहत निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्डो में पौधों से भरी वाहन जायेगी तथा द्वार-द्वार पहुंचकर औषधि पौधे, फलदार, छायादार पौधा जिसमें आम, जामुन, नीम, बेल, नीबू, कटहल, मुंनगा, सीताफल, पपीता, अनार आदि प्रजातियों के पौधों का वितरण किया जायेगा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने प्रत्येक वार्ड के लोगों से अपील की है कि पौधों को आप अपने घरों के आसपास जरूर लगाये। प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वातावरण को स्वच्छ बनाने में आप अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान कर पौधों का पोषण कर अपना योगदान दें। पौधों के रोपण के साथ उसका संरक्षण भी अतिआवश्यक है, फलदार तथा छायादार पौधों का वितरण किया। सहयोग के लिये वार्डवासियों को धन्यवाद प्रदान किया।

प्राधिकरण के विकास कार्यों को प्राथमिकता से करें जल्द पूर्ण - कमिश्नर

जगदलपुर। कमिश्नर श्याम धावड़े ने कहा कि बस्तर संभाग के इतिहास में कई वीर-वीरांगना हुए हैं, उन वीरों के स्मृति को चिरायु बनाने के लिए प्राधिकरण के माध्यम से मूर्ति स्थापना और बस्तर की जनजातीय संस्कृति व रीति-रिवाजों को पुस्तकों के द्वारा सहेजने का कार्य किया जा रहा है। इन विकास कार्यों को प्राथमिकता से जल्द पूर्ण करें। कमिश्नर धावड़े ने गुरुवार को बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में लिया। उन्होंने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त और जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से देवगुड़ी-मातागुड़ी के जीर्णोद्धार कार्यों, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद के विकास कार्यों, मुख्यमंत्री के संभाग में भ्रमण के दौरान किए गए घोषणा के क्रियान्वयन, देवगुड़ी को सामुदायिक वनाधिकार पट्टा, वन अधिकार मान्यता पत्र, मसाहती सर्वे कार्य, रीपा अंतगर्त आर्थिक गतिविधियों का संचालन, अन्य विकास कार्य सहित एकलव्य व प्रयास आवासीय विद्यालय की समीक्षा की। कमिश्नर ने समीक्षा के दौरान कहा कि प्राधिकरण से स्वीकृत वीर-वीरांगनाओं की मूर्तियों की गरिमा और भव्यता का विशेष ध्यान रखते हुए मूर्ति की लंबाई लगभग 7 फीट रखा जाए। साथ ही देवगुड़ी-मातागुड़ी के जीर्णोद्वार कार्य में गुणवत्ता का ख्याल रखें। उन्होंने बस्तर संभाग में वन अधिकार मान्यता पत्र प्रदाय हेतु पूरे प्रदेश में बेहतर कार्य करने के लिए सभी जिलों की सराहना की साथ ही देवगुड़ी-मातागुड़ी के लिए जमीन संरक्षित कर सामुदायिक वनाधिकार पट्टा देने के लिए तारीफ की। एफआरए हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका का वितरण और किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने की सराहना किए। श्री धावड़े ने सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर जिलों में विशेष प्रयास कर एफआरए का बेहतर क्रियान्वयन किए जाने पर जोर दिया। अति संवेदनशील क्षेत्र के छूटे हुए गांवों को लक्ष्य निर्धारित कर प्रमाण पत्र जारी करने कहा।

समर्थन मूल्य पर 20 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदी का निर्णयः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जांजगीर चांपा जिले के ब्रम्हनडीह विकासखंड के ग्राम बिर्रा के दशहरा मैदान में आयोजित जिला साहू संघ के शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी, भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना की तथा समाज के पूर्वजों को श्रद्धासुमन अर्पित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। श्री बघेल ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ग्राम पंचायत बिर्रा एवं बम्हनीडीह को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की है।

इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत बिर्रा में ही नवीन स्वामी आत्मानंन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने, नवीन सामुदायिक भवन बनाने, बिजली विभाग का जूनियर इंजीनियर कार्यालय खोलने को स्वीकृति प्रदान की है। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री ने हसदेव नदी पर बम्हनीडीह से दहिदा सड़क पल निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की।

श्री बघेल ने कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। इसके लिए हमने किसानों, मजदूरों, महिलाओं, भूमिहीन मजदूरों सहित तमाम वर्गों के लिए जनहित में अनेक योजनाएं बनाई है। राज्य के 26 लाख किसान राजीव गांधी किसान न्याय योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। हमने धान की बम्पर पैदावार को देखते हुए इस वर्ष प्रति एकड़ 15 क्विंटल को बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी का निर्णय लिया है। हमारी सरकार शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। स्कूल जतन योजना के माध्यम से स्कूलों का रंग रोगन किया जा रहा है। इसके लिए 1000 करोड़ रूपए खर्च किया जा रहा है। आज कांकेर में प्रदेश का पहला स्वामी आत्मानंन्द इंग्लिश मीडियम कॉलेज प्रारंभ किया गया है। राज्य सरकार द्वारा बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के विभिन्न समाजों को सामाजिक भवनों के लिए किफायती दर में जमीन उपलब्ध करायी गई है। इसके साथ ही साथ विभिन्न समाजों को सामाजिक भवनों के निर्माण के लिए सहायता भी दी जा रही है। जिसका यह सुखद परिणाम है कि आज राज्य के अनेक समाजों के पास जमीन एवं भवन उपलब्ध है। इस भवन का उपयोग सभी नागरिक विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास मंहत ने सामाजिक प्रेम, एकता, सौहार्द्र-पूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि समय एवं अवसर का उपयोग हमेशा करना चाहिए। आज पदाधिकारियों को समाज की सेवा करने का अवसर मिला है। इसका उपयोग सामाजिक संगठन को मजबूत करने में करें। उन्होंने समाज में फैली बुराईयों, रूढ़िवादी परंपराओं, कुरीतियों को समाप्त करने और सामाजिक समरसता स्थापित करते हुए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। समारोह की अध्यक्षता साहू समाज के प्रदेशाध्यक्ष टहल राम साहू ने की।

इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं विधायक बिलाईगढ़ चंद्रदेव राय, विधायक चंद्रपुर रामकुमार यादव, खनिज विकास निगम अध्यक्ष गिरीश देवांगन, तेलघानी विकास बोर्ड संदीप साहू, गौसेवा आयोग अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास,शाकम्भरी बोर्ड अध्यक्ष रामकुमार पटेल, साहू समाज प्रदेशाध्यक्ष टहल साहू, जिला अध्यक्ष साहू समाज बालेश्वर साहू, जिला अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, एसपी विजय अग्रवाल सहित समाज क गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हरेली तिहार की पहचान गेड़ी अब सी मार्ट में उपलब्ध

शहरवासी भी ले सकेंगे आनंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के पहले त्यौहार के रूप में मनाए जाने वाली हरेली शहरवासियों के लिए इस बार कुछ खास होने वाली हैं। क्योंकि इस दफे हरेली तिहार की विशेष पहचान 'गेड़ी' चढने का आनंद गांवों और शहरों के लोग उठा सकेंगे। वन विभाग द्वारा विशेष रूप से बसोड़ कारीगरों से गेड़ी तैयार करवाया गया है। जो विक्रय के लिए रायगढ़ के सी-मार्ट में उपलब्ध है।

राज्य में हरेली के दिन किसान अपनी कृषि कार्य के पहले चरण में बोनी कर अच्छी फसल की कामना करते हुए पर्व को हर्षोल्लास से मनाते हैं। इस दिन मुख्यतः किसान बैल, नांगर, ट्रेक्टर एवं अन्य कृषि औजारों की पूजा करता हैं। इस दरम्यान ग्रामीण अंचल में कई प्रकार के खेल आयोजन के साथ बच्चों से लेकर बड़ों तक बांस, लकड़ी से बने गेड़ी का आनंद उठाते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के पारम्परिक रीति-रिवाज, खान-पान के साथ यहां की संस्कृति, स्थानीय खेल को संरक्षित करने की दिशा में वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल के मंशानुरूप शासन से सस्ते दर पर बसोड़ कारीगरों और वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से वन विभाग द्वारा पहली बार गेड़ी का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में हरेली के दिन खेल प्रतियोगिताओं के साथ छत्तीसगढियां ओलम्पिक भी हरेली के दिन प्रारंभ होगी।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में हरेली त्यौहार को खास बनाने, वन विभाग रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ द्वारा बड़ी मात्रा में गेड़ी बनाया जा रहा हैं। ताकि ग्रामीण अंचल के साथ शहरवासी भी गेड़ी का आनंद ले सकें। जिससे गेड़ी जैसी लोकप्रिय खेल सामग्री विक्रय के लिए अब सी-मार्ट में आसानी से उपलब्ध है। इसके साथ ही कलेक्टर श्री सिन्हा ने सभी सीईओ जनपद को स्थानीय स्तर पर भी वन विभाग द्वारा तैयार करवाई गई गेड़ी उपलब्ध करवाने को कहा हैं। ताकि ग्रामीण छत्तीसगढियां ओलम्पिक के साथ हरेली पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा सके।

अमृत सरोवर योजना के तहत नए तालाबों का करें निर्माण - सांसद सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद सुनील सोनी के अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकल शर्मा, रायपुर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंन्द्र भुरे, नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाश मिश्रा, सहायक कलेक्टर जयंत नहाटा उपस्थित थे।

बैठक में सांसद श्री सोनी ने संबोधित करते हुए कहा कि अमृत सरोवर योजना के तहत अमृत काल में आने वाली पीढ़ियों के लिए नई जल संरचना विकसित करना है। इस अवधि में जिले के विभिन्न भागों में नए वाटर बाडी जैसे नए तालाबों का निर्माण किया जाए और पुराने तालाबों को भी संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत् कौशल उन्नयन के कार्य किए जाए और आजीविका के अवसरों में बढोत्तरी कर शहरी और ग्रामीण गरीबी को कम किया जाए। साथ ही वन डिस्ट्रीक वन ब्रांन्ड के तर्ज पर क्षेत्रवार कौशल-कला का विकास करें। श्री सोनी ने जिले के सभी अधिकारियों को योजनाओं के तहत मंजूर किए गए कामों की सतत मॉनिटरिंग-समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों की सहुलियत के लिए स्वीकृत किए गए विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए लगातार समीक्षा की जानी चाहिए।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा ने कहा कि जुलाई से सामाजिक पेंशन योजना में राज्य सरकार द्वारा राज्यांश में वृद्धि की गई है। साथ ही राज्य सरकार द्वारा कौशल उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे है। इसका आम लोगों को लाभ दिलाएं।

जीएसटीएन को पीएमएलए अधिनियम (ईडी) के तहत लाने से व्यापारियों को हो रही शंकाओं से कराया अवगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में सुझाव हेतु केन्द्रीय राज्य कर आयुक्त (जीएसटी) द्वारा बैठक आयोजित की गई थी जिसमे छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एवं कैट प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया गया था।

जहाँ प्रदेश चेंबर अध्यक्ष एवं कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर एवं कैट प्रतिनिधि मंडल ने जीएसटी प्रधान मुख्य आयुक्त नवनीत गोयल, आयुक्त अबू समा, अपर आयुक्त श्रवण बंसल, श्रीमती प्रतिमा बंसल, प्रभात दंडोतिया जी एवं एम राजीव से मुलाकात कर नई अधिसूचना के अनुसार जीएसटीएन को पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के अंतर्गत लाने से ईडी की भूमिका को लेकर व्यापारियों में व्याप्त शंकाओं से अवगत कराया एवं जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक के लिए जीएसटी सरलीकरण एवं युक्तियुक्त करने हेतु सुझाव दिए।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष एवं कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पारवानी जी ने बताया कि जीएसटी प्रधान मुख्य आयुक्त नवनीत गोयल की अध्यक्षता में जीएसटी से सम्बंधित समस्याओं एवं सुझावों तथा नई अधिसूचना के अनुसार जीएसटीएन को पीएमएलए के अंतर्गत लाने से ईडी की भूमिका को लेकर व्यापारियों में व्याप्त शंकाओं को लेकर बैठक संपन्न हुई जिसमें चेंबर एवं कैट के प्रतिनिधि मंडल और विभिन्न व्यापारिक संघों के पदाधिकारियों ने प्रदेश के व्यापारियों में जीएसटी को लेकर आ रही कानूनी और तकनीकी परेशानियों के सम्बंध में तथा जीएसटी के सरलीकरण एवं युक्तियुक्त करने हेतु अपने सुझाव दिए।

बैठक में पारवानी ने जीएसटी में ईडी की भूमिका के संबंध में व्यापारियों को हो रही शंकाओं से अवगत कराया तथा इससे संबंधित उद्योग एवं व्यापार में भय का माहौल उत्पन्न होने के संबंध में व्यापारियों ने अपनी बात रखी। प्रधान मुख्य आयुक्त ने इस संबंध में कहा विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों की तरह डाटा शेयरिंग के अधिकारों के साथ ईडी के अंतर्गत आने वाले लेन-देन के संबंध में सूक्ष्मता से विश्लेषण करेगी, सामान्य व्यवसायियों को इसमें कोई समस्या नहीं होगी।

पारवानी ने जीएसटी के सरलीकरण एवं युक्तियुक्तकरण को लेकर ई-वे बिल से सम्बंधित समस्याओं से अवगत कराया और कहा कि ई-इनवॉइसिंग के 1 अक्टूबर 2022 से रु.10 करोड़ तक के टर्नओवर वाले व्यापारियों पर लागू किए गए प्रावधान वापस लिए जाने चाहिए, ई-इनवॉइसिंग की स्थिति में खरीददार को इनपुट अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए।

सैलानियों को शीघ्र मिलेगा तांदुला जलाशय के तट पर तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के प्रमुख एवं जीवनदायिनी तांदुला नदी में निर्मित तांदुला जलाशय के तट के मनोरम प्राकृतिक वादियों में शीघ्र ही यहां भ्रमण हेतु आने वाले सैलानियों को 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क' की सौगात मिलने वाली है। संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के समीप आदमाबाद में निर्माणाधीन 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क' का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है।

उल्लेखनीय है कि आदमाबाद के समीप स्थित तांदुला जलाशय का यह तट जंगल एवं हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित होने तथा बेहतरीन प्राकृतिक परिवेश और जरूरी सुविधाओं से युक्त होने के कारण यह पर्यटन स्थल सैलानियों के लिए खासा आकर्षण का केंद्र बनेगा।

कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने आज मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कर अगस्त माह में इसे सैलानियों के भ्रमण हेतु प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्य से जुड़े कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उन्होंने तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क के मुख्य द्वार का निर्माण शीघ्र पूरा कराने के भी निर्देश दिए। जिससे की पार्क में मवेशियों एवं अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश न हो सके। इसके अलावा पार्क में समूचित मात्रा में पौधा रोपण कराने तथा पूर्व में रोपे गए पौधों का समूचित रखरखाव एवं इसके लिए समय पर पानी इत्यादि की व्यवस्था कराने को कहा। उन्होंने पार्क में चंपा एवं अन्य फूलों के अलावा फलदार पौधों का रोपण कराने के भी निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क हरियाली से पूरी तरह से आच्छादित होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पर्यटकों के रूकने के लिए निर्माणाधीन कार्टेज, मचान, टेंट हाउस, रेस्टोरेंट, वाटर बॉडी, बुद्धा स्टेच्यू, गार्डन आदि में पहुंचकर निर्माण कार्यों का बारीकी से मुआयना किया।

उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क के अनुरूप बेहतरीन एवं आकर्षक ढंग से निर्माण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा रेस्टोरेंट में फर्नीचर आदि के अलावा कार्टेज में जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम श्रीमती शीतल बसंल, ग्रामीण सेवा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री खोबरागड़े सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

हरेली तिहार पर महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई बेसिक प्रशिक्षण का शुभारंभ

राजनांदगांव। जिला प्रशासन द्वारा हरेली तिहार के अवसर पर 17 जुलाई 2023 को महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई बेसिक प्रशिक्षण का शुभारंभ किया जाएगा। कलेक्टर डोमन सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अमित कुमार के मार्गदर्शन में निःशुल्क सिलाई बेसिक प्रशिक्षण दिग्विजय स्टेडियम कक्ष भदौरिया चौक राजनांदगांव में संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि 1 माह होगी। प्रशिक्षण दो पालियों में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक एवं अपरान्ह 3 बजे से संध्या 4.30 बजे तक दिया जाएगा। प्रशिक्षण में काज करना, बटन लगाना, हुक लगाना, हेण्ड एम्ब्राईडरी, ड्रेस डिजाईन, सिलाई बुनाई, मशीन का रख-रखाव सिखाया जाएगा। गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए अब तक 50 से अधिक महिलाओं का पंजीयन किया जा चुका है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

नाबालिग ने 3 वाहनों में लगाई आग, मामला दर्ज

महासमुंद (ए)। शहर के तीन अलग-अलग स्थानों में एक नाबालिग ने एक ही दिन में 3 वाहनों में आगजनी की वारदात को अंजाम दिया है। नाबालिग ने गाड़ियों में तेल छिड़ककर आग लगा दी है। नाबालिग ने वाहनों में क्यों आग लगाई है अब तक कारण सामने नहीं आया है।

वहीं आगजनी के बाद से नाबालिग की तबियत बिगड़ जाने कारणों से उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। इसके बाद से शहर में दहशत का माहौल है। वहीं कानून व्यवस्था और पुलिस पेट्रोलिंग पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि, आगजनी की शिकायत मिली है। चूंकि नाबालिग का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए पूछताछ नहीं हो पाई है। जैसे ही स्वस्थ होगा, उससे पूछताछ करने के बाद विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता को जेल

भिलाई (ए)। रेप और छेड़छाड़ के कड़े कानून बनाए गए हैं। बावजूद इसके ऐसी घटना कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार दरिंदे नाबालिग व महिलाओं को हवस का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही शर्मसार करने वाला एक मामला दुर्ग जिले से सामने आया है। जहां एक पिता ने अपनी ही 12 साल की बेटी को हवस का शिकार बना लिया। घटना के बाद नाबालिग की मां ने पुलिस में इसकी शिकायत की।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना सुपेला थाना क्षेत्र का है। जहां हैवान पिता ने अपनी ही 12 साल की नाबालिग बेटी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। मां की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पिता को जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गांजा तस्करी के दो दोषियों को दस-दस साल की जेल

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव जिले के विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट उत्तर कुमार कश्यप ने गांजा तस्करी करने वाले दो युवकों पर दोष सिद्ध होने पर मध्य प्रदेश के रहने वाले युवक हेमंत गौर और विशाल शिवहरे को दस-दस वर्ष की जेल और एक-एक लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना के संबंध में विशेष लोक अभियोजक प्रभा मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि केशकाल थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एमपी की वाहन से गांजा तस्करी किया जा रहा है। सूचना पर केशकाल थाना पुलिस ने विश्रामपुरी तिराहा के पास वाहनों की जांच के दौरान संबंधित वाहन को रोककर जांच किया। इस जांच कार्रवाई के दौरान हेमंत गौर और विशाल शिवहरे के कब्जे से 75 किलो से अधिक गांजा तस्करी करते पाया गया। दोनों को 10-10 की सजा सुनाई गई।

शराब फैक्ट्री के गोदाम इंचार्ज पर स्कूटी सवार युवकों ने किया हमला, केस दर्ज

बिलासपुर (ए)। शराब फैक्ट्री के प्रतिनिधि का रास्ता रोककर स्कूटी सवार तीन अनजान युवकों ने चाकू से हमला किया। ग्राम अर्जुनी निवासी आलोक कुमार छत्तीसगढ़ डिस्टलरी लिमिटेड कंपनी दुर्ग के प्रतिनिधि हैं। सिरगिट्टी में इसका शराब गोदाम (सीएसबीसी) है। आलोक यहीं पर पदस्थ हैं। 12 जुलाई को आलोक अपने साथी संदीप कुमार सांडे के साथ बाइक से अपने घर जा रहे थे। सिलपहरी के पास शाम 6.30 बजे एक्टिवा में सवार होकर तीन व्यक्ति आए गाड़ी की चाबी निकाल ली। मना करने पर तीनों ने चाकू से हमला कर दिया।

ज्यादा ब्याज का झांसा देकर करोड़ों की ठगी, दुर्ग पुलिस की गिरफ्त में आए चिटफंड कंपनी के दो डायरेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में चिटफंड कंपनियों के फरार डायरेक्टरों की लगातार धरपकड़ की जा रही है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भी पुलिस को विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में दुर्ग पुलिस ने दो बड़े चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। उक्त कंपनियों द्वारा लोगों को ज्यादा ब्याज का लालच देकर निवेश कराया और करोड़ो रुपए लेकर फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार चिटफंड कंपनी साईं प्रकाश प्रॉपर्टी डेवलपमेंट लिमिटेड एवं कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के डायरेक्टर पर दुर्ग पुलिस ने शिकंजा कसा है। साईं प्रकाश प्रॉपर्टी डेवलपमेंट लिमिटेड के डायरेक्टर रणविजय सिंह बघेल एवं कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के डायरेक्टर शहाजान खान द्वारा आम लोगो को लुभावने ऑफर देकर जमा रकम का कम समय में ज्यादा ब्याज दिलाने का भरोसा दिलाकर निवेश कराया गया था। समयावधि पूरा होने के बाद भी लोगों को उनके रुपए नहीं मिले। कंपनी के चक्कर काटने के बाद पीड़ितों ने इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद कंपनी के डायरेक्टर फरार हो गए। इसके बाद इनकी तलाश की जाती रही।

साईं प्रकाश प्रॉपर्टी डेवलपमेंट लिमिटेड के डायरेक्टर रणविजय सिंह बघेल एवं कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के डायरेक्टर शहाजान खान अहमद की तलाश के लिए पुलिस ने पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में टीम भेजी लेकिन दोनों का सुराग नहीं मिल रहा था। इसबीच पता चला कि इनमें एक शाहजान खान रायगढ़ में है। इसके बाद पुलिस की एक टीम रायगढ़ पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार साईं प्रकाश डेवलपमेंट प्रॉपर्टी लिमिटेड के फरार डायरेक्टर रणविजय सिंह के भुवनेश्वर में होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस की एक टीम को भुवनेश्वर रवाना किया गया जहां से उसे गिरफ्तार कर दुर्ग लाया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इधर इस कार्रवाई के बाद चिटफंड कंपनी के झांसे में आकर लाखों रुपए गवांने वाले निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है। अब प्रशासन द्वारा चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों को कुर्क कर निवेशकों की डूबी हुई रकम लौटाएगी।

नौकरी लगाने के नाम पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा की ठगी, एक ही परिवार के चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में ठगी के चार आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। अमलेश्वर पुलिस ने इस मामले में एक ही परिवार के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। शातिरों ने क्षेत्र के बेरोजगारों को नौकरी लगाने के नाम पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा की ठगी की। लंबे समय से फरार आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गए। सभी आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में 16 नवंबर 2022 को नायकबांधा तहसील अभनपुर जिला रायपुर निवासी नरेन्द्र देशलहरे ने शिकायत दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि अमलेश्वर निवासी मिलाप लहरे, यशवंत लहरे, गजेन्द्र लहरे व पुर्णिमा लहरे ने सरकारी नौकरी लगाने का झांसा दिया था। इनकी बातों में आकर नरेन्द्र देशलहरे सहित मुकेश देशलहरे, यशवंत देशलहरे, झम्मन देशलहरे, चंद्रकला भारती, कंचन बंजारे, नुनकरण कोसले, रेणुका व गजेन्द्र ने रुपए दे दिए। सभी ने मिलकर इन लोगों को कुल 1 करोड़ 81 लाख रुपए ले लिए।

रुपए लेने के बाद किसी को भी नौकरी नहीं मिली। इस बीच प्रार्थी ने अपने रुपए मांगे तो ने इन लोगों ने देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ितों से इन लोगों ने गाली गलौच भी की। मामले में प्रार्थी की शिकायत के बाद धारा 420, 294, 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया। एफआईआर का पता चलते ही चारों आरोपी फरार हो गए थे। लंबी तलाश के बाद गुरुवार को मुखबिर से चारों आरोपियों को देखे जाने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को गिरफ्तार किया।

बुजुर्ग महिला की डंडे से पिटाई फिर लूट

मॉर्निंग वॉक पर निकली थी, फूल तोड़ते देख आया युवक, मारपीट कर छीनी चेन

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में मार्निंग वॉक पर निकली महिला फूल तोड़ रही थी, तभी एक युवक पहुंच गया और डंडे से उनकी पिटाई करते हुए सोने की माला लूट लिया। इस दौरान महिला के शोर मचाने पर युवक चौक की तरफ भाग गया। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने साधारण मारपीट का केस दर्ज किया है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

जोरापारा में रहने वाली मनियारा दुबे (70) गृहणी हैं। उनका बेटा सुरेंद्र दुबे नूतन चौक में डेयरी दुकान चलाता है। बुजुर्ग महिला रोज सुबह मार्निंग वॉक पर जाती हैं और रास्ते में फूल तोड़ते हुए घर आ जाती है। रोज की तरह वह गुरुवार की सुबह करीब 3:30 बजे वॉक करने निकली थीं। वह चौक के पास पहुंचकर फूल तोड़ रही थी। तभी उनके पास एक युवक आया और फूल तोड़ने से मना करते हुए गाली देने लगा।

इस दौरान युवक ने डंडे से महिला की पिटाई शुरू कर दी और उनके गले से सोने की माला लूट लिया। युवक की हरकतों को देखकर महिला शोर मचाने लगी, तब आरोपी युवक चौक की तरफ भाग गया। महिला ने इस घटना की जानकारी आसपास के लोगों को दी। मां के चिल्लाने की आवाज सुनकर सुरेंद्र भी चौक की तरफ दौड़ा। लेकिन, तब तक युवक भाग गया था।

पुलिस ने दर्ज किया मारपीट का केस

मारपीट से महिला के हाथ, पैर और कमर में चोटें आई थी। परिजन पहले उन्हें प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए लेकर गए। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद घटना की जानकारी सरकंडा पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में साधारण मारपीट का मामला दर्ज कर खानापूर्ति कर ली है। हालांकि, लुटेरे युवक की तलाश करने का दावा किया है।

मालगाड़ी ने कैंपर वाहन को मारी टक्कर, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के गंगानगर समपार फाटक के पास मालगाड़ी की चपेट में आकर कैंपर वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद यहां लोगों की भीड़ लग गई। घटना में कैंपर वाहन के ड्राइवर को गंभीर चोट लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, जिस ट्रैक पर हादसा हुआ है, वह एनटीपीसी का रेल लाइन है। मालगाड़ी दीपका साइडिंग से कोयला लेकर एनटीपीसी प्लांट जा रही थी। इस दौरान यह हादसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सामने से मालगाड़ी आ रही थी और इसी दौरान तेजी से कैंपर वाहन भी आ रहा था। वाहन के चालक को लगा कि वो मालगाड़ी के आने से पहले ट्रैक पार कर लेगा, लेकिन मालगाड़ी की रफ्तार भी तेज थी।

मालगाड़ी के लोको पायलट ने रफ्तार कम करने की कोशिश की, लेकिन उसकी गति कम नहीं हो सकी और ट्रेन ने चारपहिया वाहन को टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोको पायलट ने इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। मौके पर अधिकारी पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

जल चढ़ाने जा रही कांवरिया को तेज रफ्तार वाहन ने कुचला, मौत

अंबिकापुर (ए)। जिले एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां जल चढ़ाने जा रही कांवरिया की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवती की एक हादसे में मौत हो गई। देर रात बतौली इलाके में एक वाहन ने युवती को बुरी तरह से रौंदा। घटना की सूचना मिलते ही समीप थाने की पुलिस हरकत में आई और घटना की जांच में जुटी।

बता दें कि इस सड़क हादसे के बाद से ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई। शिव जी को जल चढ़ाने कांवरियों की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए। सड़क पर जगह-जगह बैरिकैट्स लगाए गए। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे के समय बाइक सवार तेज रफ्तार में था और अपने वाहनों पर नियंत्रण नहीं रख पाया जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। फिलहाल युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बाइक धोते हुए नदी में बह गए युवक, एसडीआरएफ के जवानों ने 20 घंटे की तलाश के बाद निकाले दोनों के शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गुरुवार को शिवनाथ नदी में बड़ा हादसा हो गया। अंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम विनायकपुर आमटी तांदुला (डैम) नदी में के पास बाइक धो रहे दो युवक नदी के तेज बहाव में बह गए। हादसे के बाद लगातार युवकों की तलाश की गई। गुरुवर देर शाम रेस्क्यू रोकने के बाद शुक्रवार को सुबह फिर से तलाश शुरू की गई। इस दौरान एसडीआरएफ की टीम लगी रही। लगभग 20 घंटे की मशक्कत के बाद शुक्रवार की सुबह दोनों युवकों के शव नदी से बरामद कर लिए गए है।

मिली जानकारी के अनुसार अंडा निवासी चुम्मन ठाकुर (20) और मिथलेश उर्फशिवम सोनी (19) अपने साथी अजय यादव, विकास ठाकुर, यश यादव, योगराज के साथ नदी की ओर घुमने गए थे। इस दौरान सभी मस्ती कर रहे थे। इस बीच चुम्मन ठाकुर अपनी बाइक धोने नदी स्थित स्टापडैम पर चढ़ गया। इस बीच चुम्मन का पैर फिसला और बाइक के साथ वह नदी में बह गया। इधर चुम्मन को बचाने के लिए मिथलेश भी नदी में कूद गया लेकिन वह भी तेज बहाव में बह गया।

इस बीच दोनों के बाकी साथियों ने शोर मचाया। आसपास के गांव वाले स्टॉपडेम के पास जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही अंडा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू की गई। देर शाम तक दोनों युवकों की तलाश होती रही। बहाव तेज होने व गहराई ज्यादा होने के कारण काफी दिक्कतें भी हुई। रात होने पर रेस्क्यू रोक दिया गया। शुक्रवार की सुबह फिर से तलाश शुरू की गई। इस दौरान एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और युवकों की तलाश शुरू की गई। डीप डाइविंग के अनुभवी जवान राजकुमार यादव, नरोत्तम, इन्द्रपाल, चंद्र प्रताप ने दोनों की तलाश पूरी की और उनके शव बाहर निकाले। उक्त कार्रवई के दौरान जिला सेनानी अग्निशमन अधिकार नागेंद्र कुमार सिंह, टीम प्रभारी धनीराम यादव, एसडीआरएफ के जवान राजू महानंद, रमेश कुमार, दिनेश चंद्राकर, राजेश नेताम आदि की सराहनीय भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 140870 / निविदा सूचना क्र. 08/ वलेलि / 2023-24, कवर्धा, दिनांक 11.07.2023

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 31.07.2023 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखण्ड कवर्धा की सरसहा जलाशय के शीर्ष कार्य का रेनोवेशन एवं मुख्य नहर की आर.डी. 0 मी. से 1840 मी. तक तथा माईनर नहर का आर.डी. 0 मी. से 1230 मी. तक रिमाडलिंग, लाईनिंग, 01 नग व्ही.आर.बी., 01 नग एच.आर., 12 नग फाल, 01 नग डी.सी. एवं कोलाबा पाईप फिक्सिंग कार्य ।

अनुमानित लागत - रू. 161.99 लाख
(दिनांक 01.08.2010 के एस. ओ. आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19.07.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
जी-03246/6 कृते - अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निकाली गई लॉटरी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किराएदारी में निवास करने वाले लोगों को आज आवास आबंटन के लिए लॉटरी निकाली गई। 71 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आज आवास आबंटित किया गया। मुख्यत: सूर्या विहार, अविनाश मेट्रोपोलिस, कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, आम्रपाली एवं एनाआर स्टेट के स्थानों में आवास आवंटित किया गया। तीन वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग को भूतल में आवास आवंटित हुआ है। आवास मिलने पर महापौर नीरज पाल ने हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। लॉटरी में शामिल होने के लिए सुबह 11:00 बजे से ही हितग्राही आवास पाने के इंतजार में मौजूद हो गए थे। भिलाई निगम ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली थी। जिन्होंने अंशदान की राशि जमा की थी उन्हें ही लॉटरी में शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर मकान मोर आस के 71 हितग्राहियों को आवास का आबंटन किया गया। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।

बुजुर्ग दिव्यांग को मिली ट्राइसाइकिल की मदद तो वही श्रवण बधित युवक को मिला श्रवण यंत्र

भिलाई। महापौर नीरज पाल के प्रयत्न से एक बुजुर्ग दिव्यांग व्यक्ति जो चलने में असहाय था उसे ट्राइसाइकिल मिल गया है जिसके चलते, उन्हें आने जाने में अब परेशानी नहीं होगी। दरअसल दिव्यांग बुजुर्ग बुधराम ने आज महापौर नीरज पाल से मिलकर तथा पत्र देकर ट्राइसाइकिल की मदद दिलाने के लिए गुहार लगाई थी, वहीं उसने बताया कि पैर टूट जाने के कारण कहीं भी आने-जाने में उसे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, पेशे से बुजुर्ग ने मोची का कार्य करना बताया। बुजुर्ग ने महापौर को बताया कि ट्राइसाइकिल नहीं होने के चलते उसे अपने व्यवसाय में भी अड़चन आ रहा है मोची के अलावा आजीविका के साधन का उसके पास कोई जरिया भी नहीं है। उसने बताया कि एक ट्राइसाइकिल मिल जाने से उसके आने जाने की समस्या दूर हो जाएगी वही अच्छे से व्यवसाय भी कर पाएगा। इतना सुनते ही महापौर ने निगम के समाज कल्याण विभाग को बुजुर्गों की सहायता के लिए आवश्यक निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग द्वारा बुजुर्ग व्यक्ति को तत्काल ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराया गया। ट्राइसाइकिल मिलते ही बुजुर्ग व्यक्ति के खुशी का ठिकाना नहीं रहा, उन्होंने सहायता के लिए महापौर का आभार व्यक्त किया।

रोका छेका अभियान के तहत निगम क्षेत्र में 93 आवारा पशुओं की हुई धरपकड़

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज फिर महाअभियान चलाकर आवारा मवेशियों की धरपकड़ की दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में रोका छेका अभियान चलाया गया।आज इस अभियान में दुर्ग निगम के साथ भिलाई. चरोदा और रिसाली निगम की टीम भी शामिल थी।दुर्ग नगर निगम 34,भिलाई नगर निगम 18,भिलाई नगर निगम चरोदा 19,रिसाली नगर निगम 22 चारों निकायों के कर्मचारियों ने संयुक्त महाअभियान चलाकर दिनभर में 93 आवारा मवेशियों को पकड़ा। पकड़े गए मवेशियों को दुर्ग निगम के पुलगांव व कृषि उपज मंडी तथा नेवई गोठान में रखा गया है।शहर के मुख्य मार्गों, चौक- चौराहों और बाजार क्षेत्र में आवारा मवेशी घूमते करते नजर आते हैं। इसकी वजह से आम नागरिको को आवागमन में परेशानी होती हैं। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के आदेश और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर आज फिर चलाया गया धरपकड़ महाअभियान, दुर्ग निगम क्षेत्र में रोका छेका अभियान चलाया जा रहा है।

विधायक यादव की पहल से शुरू हुई लीज की रजिस्ट्री, टाउनशिप में उत्साह का माहौल

बीएसपी आवास की रजिस्ट्री पाने वालों ने की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात

सीएम ने दी मिठाई खिलाकर बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई टाउनशिप के हाउस लीज के डीड की रजिस्ट्री का तोहफा पाने वालों से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुलाकात की। सीएम हाउस में गुरुवार देर शाम रजिस्ट्री पाने वाले लोगों को सीएम से मिलने का मौका मिला। विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल और जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर भी इस पल के साक्षी बने। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चेहरे पर मुस्कान इस बात की थी कि जो निर्देश उन्होंने भिलाई में दिया था, उस पर अमल कर दिया गया है।

विधायक देवेंद्र यादव को निर्देशित करते हुए सीएम ने कहा-जनता से जो वादा किया है, उसको पूरा कराने के लिए पूरी कोशिश को जारी रखना। काफी देर तक भिलाई के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। नियमितीकरण को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। विधायक देवेंद्र यादव ने कि लीज की रजिस्ट्री होते ही मामला नगर निगम अधिनियम के दायरे में आ गया है। इसलिए, नियमितीकरण की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू हो जाएगी। इसके लिए जो प्रक्रिया होगी, उस पर अमल किया जाएगा। बता दें कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार बीएसपी एवं जिला प्रशासन के माध्यम से लीज का पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। 8 अप्रैल 2023 को भिलाई नगर एवं वैशाली नगर में भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीएसपी की जमीन जो कि लीज पर थी, उसका पंजीयन कराने निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के अनुरूप दुर्ग के रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए बीएसपी के पूर्व अधिकारी श्रीराम जसपाल के नाम पर प्रथम पंजीयन किया गया। उन्हें सेक्टर 10, सड़क क्रमांक 4 के मकान नंबर 5ए बीएसपी के माध्यम से लीज पर दी गई थी। उन्हें विधायक देवेंद्र यादव व महापौर नीरज पॉल के द्वारा पंजीकरण कर रजिस्ट्री की प्रति सौंपी गई।

लापरवाही करने वाले ठेकेदारों को दे नोटिस - महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली महापौर ने स्पष्ट कहा है कि लापरवाह और मनमौजी करने वाले ठेकेदारों से सख्ती से पेस आए। गुणवत्ता में कमी होने पर बिना देरी किए नोटिस जारी करे। खराब कार्यो को धरासाही कर नए सिरे से कार्य कराए।

महापौर शशि सिन्हा ने गुरूवार को निगम के सभी अभियंताओं की बैठक ली। उन्होंने वार्ड क्र. 01 से 40 तक के स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यो की जानकारी ली। महापौर ने कहा कि अभिंयता इस बात का विशेष ध्यान दे कि कार्य निर्धारित समय पर पूरा हो रहा है कि नहीं। उन्होंने ऐसे ठेकेदारों की सूची अलग से तैयार करने कहा जो कार्यादेश जारी होने के बाद भी कार्य आरंभ नहीं करते। महापौर ने अभियंताओं से दो टूक कहा कि स्थल निरीक्षण कर घटिया निर्माण पर नोटिस दे और नए सिरे से कार्य कराए। बैठक में प्रभारी कार्यपालन अभियंता आर.के.जैन, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, अखिलेश गुप्ता, उमयंती ठाकुर व नितिश अमन साहू उपस्थित थे। महापौर ने कहा आमजनों की शिकायत का निराकरण पहले हो। वार्ड पार्षद सीधे नागरिक से जुड़े होते है। ग्राउंड लेबल पर समस्याओं को दूर करने वे निगम कार्यालय में शिकायत भी करते है। ऐसे आवेदनों का निराकरण त्वरित किया जाए। महापौर ने जनप्रतिनिधि की समस्याओं को दूर कर सूचीबद्ध करने कहा।

कार्यदेश जारी करने में दिखाए तत्परता

महापौर शशि सिन्हा ने बैठक में निर्देश दिए कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद अधिकारी बिना देरी किए कार्यादेश जारी करे। कार्यादेश जारी में विलंब होने पर विकास कार्य की गति में कमी होगी। उन्होंने सभी कार्यो की हर रोज मॉनिटरिंग कर समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

होर्डिंग्स से दुर्घटना का भय, हिन्दू युवा मंच ने आयुक्त को कापी-पेन भेंटकर बताई समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर नगर रिसाली क्षेत्र में सड़कों पर लगे होर्डिंग्स खतरा बन गए हैं। बारिश के सीजन में इन होर्ड़िंग्स से राहगीरों को चोट पहुंच सकती है। इस समस्या को लेकर हिन्दू युवा मंच के भिलाई महानगर संयोजक कृष्णा चौहान की अगुवाई व रिसाली महामंत्री संजय जाल के नेतृत्व में रिसाली नगर निगम आयुक्त को कापी व पेन भेंटकर समस्या बताई।

इस दौरान हिन्दू युवा मंच प्रतिनिधियों ने बताया कि कृष्णा टाकीज रोड सहित अन्य सड़कों पर लगे बड़े होर्डिंग्स आए दिन फट जाते हैं। भविष्य में यह बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

प्रतिनिधियों ने आयुक्त से मांग की है कि ऐसे होर्ड़िंग्स को हटाया जाए। आयुक्त से मिलने पहुंचे प्रतिनिधियों में मुख्य रूप से सुरेंद्र जैन, अमित पुरोहित, कमल रणधिवे, रोहन मून, रविकान्त, अजय यादव, टोमन, रामा, विशाल, बाबू सागर, यश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग द्वारा 39 प्रकरणों की हुई सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने आज जिला पंचायत सभा कक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर जनसुनवाई की। छतीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज जिले की 19वी सुनवाई हुई जिसमें कुल 39 प्रकरणों पर सुनवाई की गई।

एक प्रकरण में भिलाई महिला महाविद्यालय की सहायक प्रध्यापक को वर्ष 2020 से बहाल कर दिया गया और उनको पुराना वेतन व भत्ता भी दिया गया है। आयोग ने पिछली सुनवाई में कलेक्टर दुर्ग को ट्रस्ट अपने पजेसन में लेने का निर्देश दिया गया था। आयोग के सुनवाई के बाद वर्ष 2020 में सभी को बहाल किया गया और सभी अपना कार्य महाविद्यालय में कर रही है व वेतनभत्ता भी मिल रहा है। इस वजह से प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। आयोग ने कहा कि शिकायत का पूरा निराकरण आयोग में किया गया। भविष्य में यदि परेशान किया गया तो वह दुबारा आयोग में शिकायत कर सकती है। अन्य प्रकरण में आवेदिका ने सम्पत्ति विवाद का आवेदन प्रस्तुत किया था। जिसमें पारिवारिक भूमि व सम्पति का विस्तृत उल्लेख नहीं किया गया है। आवेदिका ने अपना आवेदन आधा अधूरा बनाया है इसलिए आयोग द्वारा आवेदिका को कार्यालय में व्यक्तिगत उपस्थित होकर विस्तृत रूप में लेख कर प्रस्तुत करने पर पुनः सुनवाई हेतु निर्देशित किया गया। अन्य प्रकरण में आवेदिका का आवेदन अधूरा एवं अस्पष्ट है। अनावेदक ने एक दस्तावेज प्रस्तुत किया कि प्रबंध संचालक, समग्र शिक्षक छ.ग. रायपुर का आदेश 15 जून 2023 के अनुसार आईसेक्ट कंपनी को काली सूची में डाला गया है। इसी कंपनी के व्दारा आवेदिका संविदा नियुक्ति में दानी स्कूल रायपुर में कार्यरत थी। आवेदिका चाहे तो आई सेक्ट कंपनी के खिलाफ पुनः 01 नया आवेदन प्रस्तुत कर सकती है। ताकि उनके समस्याओं के समाधान के लिए आईसेक्ट कंपनी के खिलाफकार्यवाही की जा सके। इस निर्देश के उपरांत प्रकरण नस्तीबध्द किया गया।

अन्य प्रकरण में आवेदिका ने शासकीय भुगतान रोकने के मामले पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि शासकीय आयोजन के लिए वरिष्ठ अधिकारी ने मौखिक आदेश दिया था। जिस पर आवेदिका ने अपने वेतन से पैसा निकालकर शासकीय आयोजन किया था। जिसके लिए 39 हजार रू. का भुगतान आवेदिका को अनावेदक से लेना था जिसमें से महज 14 हजार रु आवेदिका को मिले एवं शेष 25 हजार रू देने के लिए अनावेदक तालमटोल कर रहा है। अनावेदक का कहना था कि आवेदिका व्दारा प्रस्तुत देयक त्रुटिपूर्ण है, जिसे संशोधन नहीं किया गया है। अनावेदक उसके लिए बजट अनुमोदन लेकर भुगतान करने के लिए तैयार है। आयोग की समझाईश पर दोनों पक्ष आपसी रजामंदी को तैयार है। उन्हें 02 माह का समय दिया गया। इस स्तर पर प्रकरण की सुनवाई 02 माह बाद रायपुर में की जाएगी। एक अन्य प्रकरण में किन्नर समाज दुर्ग के द्वारा गौरिया समाज भटगांव वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज किया गया था। जिसमें आयोग द्वारा कोतवाली थाना दुर्ग को निर्देशित किया गया है।

गौठानों में उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट का अधिक से अधिक उठाव करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन द्वारा कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सहकारी समिति के समिति प्रबंधकों एवं प्रभारियों की वर्मी कम्पोस्ट के संबंध में बैठक आयोजित की गई। सीईओ ने सहकारी समिति के प्रबंधक एवं प्रभारी से वर्मी कम्पोस्ट खाद के उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि गौठानों में उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट का अधिक से अधिक उठाव करें। उन्होंने कहा सहकारी समितियों में खाद की कमी नही होनी चाहिए। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट के

बिक्री के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला सहकारी समिति के ब्रांच मैनेजर, दुर्ग जिले के शाखा प्रबंधक एवं समिति प्रबंधक मौजूद थे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विकासखंड के सक्रिय गौठानों में वर्मी कंपोस्ट के उत्पादन व विक्रय की प्रगति की जानकारी ली और दुर्ग जिले के तीन ब्लॉकों के सहकारी समिति को वर्मी कंपोस्ट के उत्पादन व विक्रय में प्रगति लाने को कहा। उन्होंने कहा कि फसलों के लिए वर्मी कंपोस्ट की उपयोगिता के बारे में किसानों को जानकारी दें। उन्हें वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। सीईओ ने कहा कि खरीफफसलों की बोनी का कार्य शुरू है, इसे ध्यान में रखते हुए किसानों से खाद का अग्रिम उठाव कराएं। उन्होने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के ब्रांच मैनेजर और सहकारी समितियों के प्रबंधक और प्रभारी को किसानों को खाद वितरण सुनिश्चित करने कहा, ताकि किसानों को खाद के अभाव में नुकसान नहीं हो।

उच्च शिक्षा में प्लेसमेंट पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में संचालित शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों में स्थापित प्लेसमेंट सेल की गतिविधियों की जानकारी के सम्बंध में आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में उच्च शैक्षणिक सस्थानों के संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के शासकीय महाविद्यालय के साथ प्रायवेट उच्च शैक्षणिक संस्थानो में भी विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने महाविद्यालयों में प्लेसमेंट गतिविधियों की जानकारी लेते हुए कहा कि प्लेसमेंट के इच्छुक विद्यार्थी और प्लेसमेंट पश्चात जॉब ज्वाईन करने वाले की जानकारी रखी जाय। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के साथ जॉब की उपलब्धता हेतु पहल होनी चाहिए। उन्होंने इस सम्बंध में उच्च शैक्षणिक संस्थानों से सुझाव भी आमंत्रित किया। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा चाही गई डेटाबेस जानकारी उपलब्ध कराने कहा।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के उप संचालक आरके कुर्रे ने प्लेसमेंट सेल के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए अवगत कराया कि जिले के शासकीय, अशासकीय 102 शैक्षणिक संस्थानों में से 52 में प्लेसमेंट सेल स्थापित है। इसी प्रकार 23 शासकीय, अशासकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान में से 6 में प्लेसमेंट सेल स्थापित है। बैठक में नगर निगम भिलाई के आयुक्त एवं अपर कलेक्टर रोहित व्यास, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन और विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के प्राचार्य/प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

सेक्टर -7 में लोगों ने आतिशबाजी के साथ बांटी मिठाई

लक्ष्मीपति राजू बोले विधायक देवेन्द्र की पहल पर संभव हुई लीज रजिस्ट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले हजारों लीज धारकों के लिए बुधवार का दिन एक खास सौगात लेकर आया। बरसों ने आवासों की रजिस्ट्री का सपना देख रहे लोगों को विधायक देवेन्द्र यादव ने बड़ी राहत दी है। बीएसपी टाउनशिप के लीज धारकों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लीज रजिस्ट्री शुरू होने के बाद इसकी खुशी भी देखी जा रही है। टाउनशिप में लोग खुशियां मना रहे हैं। इसी कड़ी में सेक्टर-7 में पार्षद व एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू के नेतृत्व में लोगों ने जमकर खुशियां मनाई।

सेक्टर-7 में लक्ष्मीपति राजू के नेतृत्व में लोगों ने पटाखे फोड़े और मिठाई बांटी। इस मौके पर लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि जो काम वर्षों से कोई नहीं कर पाया उसे विधायक देवेन्द्र यादव ने कर दिया। बीएसपी आवासों को लीज पर लेने के बाद आज तक लीजधारक रजिस्ट्री के लिए तरसते रहे लेकिन कभी भी प्रबंधन ने इसकी पहल नहीं की। विधायक बनने के बाद देवेन्द्र यादव ने इसके लिए पहल शुरू की और चार साल के अथक प्रयास के बाद लीजधारकों को रजिस्ट्री का लाभ मिलने लगा है। लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि टाउनशिप के लीजधारकों को रजिस्ट्री का अवसर दिलाने के लिए विधायक देवेन्द यादव व महापौर नीरज पाल के प्रयास सराहनीय है। इस मौके पर लोगों ने भी विधायक देवेन्द्र यादव का आभार जताया।

विधायक देवेन्द्र के साथ लीजधारी जसवंत सिंह ने कराई पहली रजिस्ट्री

टाउनशिप के मकानों की लीज रजिस्ट्री शुरू होने के बाद पहले ही दिन सैकड़ों की संख्या में टाउन शिप के लोग अपने आवासों का पंजीयन करवाने पहुंचे। सबसे पहली रजिस्ट्री जसवंत सिंह ने करवाया। पहली रजिस्ट्री होते ही टाउनशिप वासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। सब बेहद खुश है,सभी के चेहरे पर एक प्यारी से मुस्कान देखने को मिली। सब इतने खुश थे सब एक दूसरे को बधाई देने लगे। सब को मिठाई खिलाकर मुह मीठा कर एक दूसरे को बधाई और शुभकामनाएं दी। लोगो ने भिलाई नगर विधायक श्री देवेन्द्र यादव और महापौर नीरज पाल को भी मिठाई खिलाई और दिल से धन्यवाद किया।

सुबह से ही पहुंचने लगे थे लोग

बुधवार की सुबह से ही सब लोग रजिस्ट्री करवाने के लिए जिला पंजीयन कार्यालय पहुंच गए थे। सुबह से पंजीयन कार्यालय खुलते ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू की गई। और फिर लगातार सब का बारी बारी से रजिस्ट्री शुरू किया गया। इस अवसर पर विधायक देवेन्द्र यादव और महापौर नीरज पाल ने सब को बधाई दी और कहा कि हम सब के कका के रहते हुए कोई काम असम्भव नहीं है। उन्ही के मार्गदर्शन में यह बड़ी सफलता भिलाई वासियों को मिली है। लोगों ने कहा कि इस दिन का उन्हें सालों से इंतजार था। ऐसा लगने लगा था कि यह स्वर्णिम पल उनके जीवन मे कभी नहीं आएगा। विधायक देवेन्द्र और महापौर नीरज पाल आप सब ने मिलकर ऐसा काम किया कि आज हम सब के आवासों की रजिस्ट्री हो रही है।

सेक्टर 5 कार्यालय में लगेगा कैंप

लीज धारकों को रजिस्ट्री के लिए पहले दिन रजिस्ट्री के लिए दुर्ग के पंजीयन कार्यालय जाना पड़ा था जहां शुरुआती प्रक्रियाओं के लिए दिक्कते हुए थी। लोगों की परेशनी को देखते हुए विधायक देवेन्द्र यादव ने पंजीयन की शुरुआती प्रक्रिया सेक्टर-5 स्थित विधायक कार्यालय से ही कराने की व्यवस्था कर ली है। गुरुवार से लीजधारी रजिस्ट्री के लिए सेक्टर 5 विधायक कार्यालय पहुंच सकते हैं। यहां स्थित डोमशेड में सारी प्रक्रिया की जाएगी। यही सब बैठ कर आसानी से अपनी सभी प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। इसके बाद फिर लोगों क अंत में जब रजिस्ट्री के लिए रजिस्ट्री कार्यालय दुर्ग जाना होगा। पंजीयन कार्यालय दुर्ग में ऑनलाइन फोटो के बाद रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950